सूविचार

स्वयं कर्म, जब तक मुझे यह भरोसा होता है कि यह सही कर्म है, मुझे संतुष्टि देता है।

दैनिक

इंटरनल न्यूज

सच की तह तक....

internalnews@gmail.com

www.internalnews.com

वर्ष : 12 | अंक : 42 | पृष्ठ : 08 | मूल्य 1 रुपये | भोपाल, सोमवार 11 मई 2026 | RNI NO. MPHIN/2015/61965

ग्राम्य भारत की तकदीर बदलने में सड़क योजना का योगदान अतुलनीय

गांवों की जीवन धारा बनी प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना

मुख्यमंत्री डॉ. यादव और केन्द्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री चौहान भैरूंदा में राज्य स्तरीय कार्यक्रम में हुए शामिल

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि विकास की प्रबल इच्छा-शक्ति हो, तो एक योजना ही पूरे देश के ग्रामीण इलाकों की तकदीर बदल सकती है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना ने यह संभव कर दिखाया है। इस योजना से बनीं सड़कें गांवों की जीवन धारा बन चुकी हैं। ग्रामीण भारत की तकदीर और तस्वीर बदलने में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना का योगदान अतुलनीय है।

देश-प्रदेश के छोटे-बड़े कस्बों, गांव-देहात, टोले-मजरों की अंतिम सीमा तक पक्की सड़कों की पहुंच हो गई है। अब ग्रामीण क्षेत्रों तक आवागमन बेहद आसान हो गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ग्राम विकास कार्यक्रमों और लोक कल्याणकारी योजनाओं को धरातल में उतारकर समावेशी विकास की लक्ष्य पूर्ति में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से नई रफ्तार मिली है। ग्राम्य भारत का पूरा परिदृश्य ही बदल देने वाली प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के 25 साल पूरे होने पर आज मध्यप्रदेश इस ऐतिहासिक अवसर का साक्षी बन रहा है। इस योजना का रजत जयंती समारोह वास्तव में ग्रामीण विकास के एक नए युग का उद्घोष है। पीएमजीएसवाय-फोर और पीएम जन-मन का राष्ट्रव्यापी शुभारंभ देश के गांवों को मजबूत, टिकाऊ और सर्वकालिक सड़क सम्पर्क से जोड़ने की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण कदम है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को सीहोर जिले के भैरुंदा में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना फेज-4 एवं प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महाभियान (पीएम जन-मन) के कार्यों के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव, केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं संचार राज्यमंत्री डॉ. चंद्रशेखर पेम्मासानी, केंद्रीय ग्रामीण विकास राज्यमंत्री श्री कमलेश पासवान सहित अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलन कर राज्य स्तरीय समारोह का विधिवत् शुभारंभ किया। कार्यक्रम में पीएमजीएसवाय की 25 वर्षों की यात्रा पर केंद्रित एक लघु फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारा मध्यप्रदेश ग्रामीण कनेक्टिविटी के मामले में देश में पहले स्थान पर है। प्रदेश में बीते कुछ सालों में 90 हजार 150 किमी सड़कों का निर्माण कर 17 हजार 540 से अधिक बसाहटों को मुख्य मार्गों से जोड़ा गया है। पिछले 25 सालों में सड़कों से मंडियों तक किसानों की पहुंच आसान हुई है। बच्चों की शिक्षा नियमित हुई और स्वास्थ्य सेवाओं में भी व्यापक सुधार हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस समारोह के जरिए मध्यप्रदेश को 5 हजार करोड़ रुपये से अधिक की सौगातें मिली हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि विकास की बात पर हम सभी साथ हैं। गरीब का कल्याण हमारा लक्ष्य है। इस लक्ष्य की पूर्ति के लिए हम केन्द्र सरकार के साथ कदम से कदम मिलाकर काम करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गांव-देहात की सड़क एक रास्ता भर नहीं होती, यह विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सम्मानजनक जीवन की आधार रेखा होती है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना ने देश के गांवों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का कार्य किया है। पीएमजीएसवाय-फोर ग्रामीण भारत को आत्मनिर्भर और समृद्ध बनाने में मील का पत्थर सिद्ध होगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में ग्रामीण अधोसंरचना को लगातार मजबूत किया जा रहा है। मध्यप्रदेश हमेशा ही इस राष्ट्रीय अभियान में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। सुदूरवर्ती गांवों तक सड़क बनने से किसानों को बाजार तक पहुंचने, विद्यार्थियों को शिक्षा, मरीजों को स्वास्थ्य सेवाएं और युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर मिले हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बुधनी क्षेत्र से आज प्रदेश को विकास की बड़ी सौगातें मिली हैं। उन्होंने कहा कि स्व. अटल जी ने 25 साल पहले ग्रामीण सड़कों के निर्माण की शुरुआत की थी, जिसे भारत सरकार के सहयोग से राज्य सरकार आगे बढ़ा रही है। आज प्रदेशवासियों को प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़कें, प्रधानमंत्री आवास और अधूरे कार्यों को पूरा करने के लिए राशि मिली है।

संक्षिप्त समाचार

पांच राज्यों में चुनाव संपन्न कराने के बाद तीर्थयात्रा पर निकले चुनाव आयुक्त ज्ञानेश

कोलकाता। पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव के चलते चुनाव आयोग काफी व्यस्त था। ऐसे में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का मसरूफ रहना भी स्वाभाविक है। ऐसे में अब सवाल उठता है कि विधानसभा चुनाव के संपन्न होने के बाद ज्ञानेश कुमार कहां हैं? इसका जवाब है ज्ञानेश कुमार परिवार के साथ तीर्थयात्रा पर गए हैं। उन्होंने आंध्र प्रदेश में स्थिति विश्व प्रसिद्ध तिरुमला वेंकटेश्वर मंदिर पहुंचकर पूजा-अर्चना की। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने सुबह आंध्र प्रदेश स्थित तिरुमाला वेंकटेश्वर मंदिर में भगवान वेंकटेश्वर के दर्शन किए। उन्होंने मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना कर सफल चुनाव प्रक्रिया के लिए भगवान का आशीर्वाद लिया। इस दौरान उनकी प ी भी उनके साथ थीं। दोनों ने मंदिर में विधिवत पूजा कर देश में शांतिपूर्ण और निष्पक्ष चुनाव संपन्न होने पर सर्वशक्ति मान ईश्वर का आभार व्यक्त करते हुए उनका धन्यवाद किया। मंदिर प्रशासन की ओर से दंपति का पारंपरिक तरीके से स्वागत किया गया। दर्शन के बाद उन्होंने मंदिर परिसर में कुछ समय बिताया और धार्मिक अनुष्ठानों में हिस्सा लिया। बता दें हाल ही में पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव संपन्न हुए हैं, जिन्हें चुनाव आयोग ने शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित तरीके से आयोजित कराया। चुनाव प्रक्रिया के सफल समापन के बाद मुख्य चुनाव आयुक्त का यह पहली धार्मिक यात्रा है।

शपथ ग्रहण के दौरान विजय देने लगे भाषण तो राज्यपाल ने रोका

चेन्नई। तमिल फिल्मों के सुपरस्टार और टीवीके प्रमुख चंद्रशेखर जोसेफ विजय ने रविवार को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। हालांकि यह शपथ ग्रहण समारोह उस समय चर्चा का विषय बन गया जब विजय निर्धारित प्रक्रिया से हटकर मंच से भाषण देने लगे और राज्यपाल को बीच में हस्तक्षेप करना पड़ा। चेन्नई के जवाहरलाल नेहरू इंडोर स्टेडियम में आयोजित समारोह में भारी संख्या में समर्थक मौजूद थे। विजय जैसे ही मंच पर पहुंचे, पूरा स्टेडियम नारों और तालियों से गूंज उठा। उन्होंने राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर का अभिवादन किया और अपने मंत्रिमंडल के सदस्यों का परिचय भी कराया। शपथ प्रक्रिया शुरू होने पर राज्यपाल ने तमिल भाषा में शपथ की पहली पंक्ति पढ़ी। इसी दौरान विजय ने अपना नाम बोलने के बाद निर्धारित शपथ पत्र पढ़ने के बजाय जनता को संबोधित करना शुरू कर दिया।

एम्स दिल्ली से डॉक्टरों का पलायन बढ़ा, प्रशासनिक व्यवस्था पर उठे सवाल

नई दिल्ली। देश के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल एम्स दिल्ली में डॉक्टरों के संस्थान छोड़ने के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। हाल ही में सामने आई रिपोर्टों ने एम्स प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। कई डॉक्टरों ने आरोप लगाया है कि अस्पताल का कार्य वातावरण पहले जैसा नहीं रहा और प्रशासनिक स्तर पर लगातार अनदेखी तथा दबाव की स्थिति बनी हुई है। सूत्रों के अनुसार, पिछले कुछ वर्षों में मरीजों की भर्ती, ट्रांसफर और डिस्चार्ज प्रक्रिया में अनियमितताओं के मामले सामने आए हैं। इनका असर मरीजों की देखभाल और विभागीय कामकाज पर पड़ रहा है। बताया जा रहा है कि कार्डियक सर्जन डॉ. ए.के. बिसोई ने इन मुद्दों को प्रशासन के सामने उठाया था। इसी दौरान एक नर्स की शिकायत के आधार पर डॉ. बिसोई के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों की जांच शुरू की गई थी। हालांकि अक्टूबर 2025 में आंतरिक शिकायत समिति ने इन आरोपों को खारिज कर दिया। मामले के बाद एम्स की प्रशासनिक पारदर्शिता और जवाबदेही पर सवाल और गहरे हो गए हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा कई बार निर्देश जारी किए जाने के बावजूद प्रशासनिक कार्रवाई नहीं होने के आरोप भी लगाए जा रहे हैं।

16 राज्यों में आंधी, बारिश और बिजली गिरने की चेतावनी

नई दिल्ली। देश के कई हिस्सों में अचानक बदले मौसम के मिजाज ने चिंता बढ़ा दी है। आसमान में गरजते काले बादल और 70 से 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली तूफानी हवाओं ने लोगों को सतर्क कर दिया है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने उत्तर भारत से लेकर पूर्वोत्तर और दक्षिण भारत के कुल 16 राज्यों में तेज आंधी, मूसलाधार बारिश, बिजली गिरने और ओलावृष्टि का बड़ा अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार, वर्तमान में एक सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ और बंगाल की खाड़ी में विकसित हो रहे कम दबाव के क्षेत्र के कारण यह मौसमी उथल-पुथल मची है। अगले कुछ दिनों तक दिल्ली-एनसीआर, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, पंजाब, हरियाणा और राजस्थान में मौसम की स्थिति काफी संवेदनशील रहेगी। जहां एक तरफ इस बदलाव से भीषण गर्मी से राहत मिलेगी, वहीं दूसरी ओर तूफानी हवाएं और आकाशीय बिजली जान-माल के लिए बड़ा खतरा बन सकती हैं। मौसम विभाग ने बताया कि 10 से 14 मई के बीच मौसम का प्रभाव सबसे अधिक रहेगा। दिल्ली-एनसीआर में 11 और 12 मई को तेज हवाओं के साथ हल्की बारिश की संभावना है, जिसके लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। उत्तर प्रदेश और बिहार में हालात अधिक चुनौतीपूर्ण हो सकते हैं; यहाँ 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से धूल भरी आंधी चलने और आकाशीय बिजली गिरने की आशंका है। विशेषकर बिहार के पटना, मुजफ्फरपुर और पूर्णिया जैसे जिलों में अगले चार दिन खराब मौसम की चेतावनी दी गई है।

योगी मंत्रिमंडल का विस्तार, 6 नए मंत्रियों ने ली शपथ

» दो मंत्रियों को मिला प्रमोशन »आंगनबाड़ी कार्यकर्ता रहीं कृष्णा पासवान भी बनीं मंत्री

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार में रविवार को दूसरी बार मंत्रिमंडल विस्तार किया गया। राजभवन में आयोजित समारोह में छह नए मंत्रियों ने शपथ ली, जबकि दो राज्य मंत्रियों को पदोन्नत कर राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) बनाया गया।

समारोह में सबसे पहले भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने शपथ ली। इसके बाद समाजवादी पार्टी से बगावत कर भाजपा के करीब आए विधायक मनोज पांडेय ने मंत्री पद की शपथ ली। दोनों नेताओं को कैबिनेट मंत्री बनाया गया है। इसके बाद अजीत पाल और सोमेंद्र तोमर ने शपथ ली। दोनों पहले राज्य मंत्री थे और अब उन्हें राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) का दर्जा दिया गया है। वहीं कृष्णा पासवान, कैलाश राजपूत, सुरेंद्र दिलेर और हंसराज विश्वकर्मा को राज्यमंत्री बनाया गया है। कृष्णा पासवान की नियुक्ति खास चर्चा में रही। वे चौथी बार विधायक बनी हैं और राजनीति में आने से पहले आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के रूप में काम कर चुकी हैं। शपथ ग्रहण के बाद कई नए मंत्रियों ने राज्यपाल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के पैर छूकर आशीर्वाद लिया। नए मंत्रिमंडल में सामाजिक समीकरणों का भी ध्यान रखा गया है। इसमें एक ब्राह्मण, तीन ओबीसी और दो दलित वर्ग के नेताओं को जगह मिली है। अब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित प्रदेश सरकार में कुल मंत्रियों की संख्या 60 हो गई है। इससे पहले मार्च 2024 में लोकसभा चुनाव से पहले मंत्रिमंडल का पहला विस्तार किया गया था। इस मंत्रिमंडल विस्तार के बाद भी कुछ लोग असंतुष्ट दिखे, जिनमें आशा मौर्या का नाम भी शामिल है।

असम में दूसरी बार सीएम पद की शपथ लेंगे हिमंता , 12 मई को शपथ ग्रहण समारोह

गुवाहाटी। असम बीजेपी विधायक दल की बैठक में हिमंता बिस्वा सरमा के नाम पर मुहर लग गई है। सरमा लगातार दूसरी बार राज्य की कमान संभालेंगे। वह 12 मई को सीएम पद की शपथ लेंगे। इस भव्य शपथ ग्रहण समारोह में पीएम नरेंद्र मोदी, बीजेपी के शीर्ष नेतृत्व और एनडीए के कई वरिष्ठ नेताओं के शामिल होने की उम्मीद है। हिमंता बिस्वा सरमा की यह ताजपोशी के साथ ही असम में बीजेपी लगातार तीसरी बार सरकार बनाने जा रही है। उत्तर-पूर्व में पार्टी की पैठ को और मजबूत करने के रूप में देखी जा रही है। पिछले कार्यकाल में स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे अहम विभागों को संभालने वाले सरमा के पास अब पूरे राज्य को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की जिम्मेदारी होगी।

हमारी प्राथमिकता बंगाल को नए सिरे से बनाना और जनता का विश्वास जीतना

मंत्री घोष बोले- यह तय कर रहे हैं किसे कौन सी जिम्मेदारी और भूमिका सौंपी जाए

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में बीजेपी की सरकार बनने के बाद अब पार्टी जनता का विश्वास जीतने में लगी है। मंत्री दिलीप घोष ने कहा कि आज छुट्टी है और सोमवार को एक बैठक होगी जिसमें कई फैसले लिए जा सकते हैं। हम लोग जनता का विश्वास जीत रहे हैं। घोष ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि हमारी प्राथमिकता बंगाल को एक नए सिरे से बनाना है क्योंकि कई व्यवस्थाएं बिगड़ चुकी हैं। कानून-व्यवस्था कमजोर है और लोग कई सालों से डर के साए में जी रहे हैं। शिक्षा की स्थिति अच्छी नहीं है, स्वास्थ्य व्यवस्था बदहाल है और उद्योग या रोज़गार के अवसर बहुत ही कम हैं। उन्होंने कहा पार्टी के नेता आपस में चर्चा कर रहे हैं और यह तय कर रहे हैं कि किसे कौन सी जिम्मेदारियां और भूमिकाएं सौंपी जाएंगी, जिससे पश्चिम बंगाल में विकास का काम तेजी से हो सके। हमारी प्राथमिकता जनता की समस्याओं को दूर करना है। घोष ने कहा कि हमें बंगाल को फिर से बनाना है। हमें हर चीज पर काम करना होगा और इसमें समय लगेगा। हालांकि हम तुरंत काम शुरू कर देंगे और आप बदलाव देख सकेंगे। उन्होंने कहा कि बीजेपी ने 2026 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में 207 सीटें जीतकर इतिहास रच दिया है और टीएमसी के 15 साल के शासन को खत्म कर दिया है।

अब शीर्ष नेतृत्व ही लेगा फैसला: गौरव गोगोई

गुवाहाटी। असम कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई ने हाल ही में हुए असम विधानसभा चुनाव के परिणामों की पूरी जिम्मेदारी ली है। उन्होंने रविवार को पार्टी के नवनिर्वाचित विधायकों के साथ हुई समीक्षा बैठक की। गोगोई ने पत्रकारों से कहा कि असम विधानसभा चुनाव के हालिया नतीजे बेहद निराशाजनक रहे हैं। मैंने पहले भी कहा है कि मैं इसकी पूरी जिम्मेदारी लेता हूं। उन्होंने यह भी बताया कि उन्होंने पार्टी के हाईकमान को सूचित कर दिया है और आंतरिक समीक्षा प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गौरव गोगोई ने आगे कहा कि मैंने हाईकमान को भी सूचित कर दिया है और संगठनात्मक पुनर्गठन के साथ-साथ अगले कदमों की रूपरेखा तैयार करने का फैसला हाईकमान को ही करना है। साथ ही हमने आंतरिक समीक्षा प्रक्रिया शुरू कर दी हैज्मुझे लगता है कि अगले महीने हम उन वास्तविक कारणों का पता लगाने की कोशिश करेंगे जो 2026 के इस विशेष परिणाम की व्याख्या कर सकते हैं। असम विधानसभा चुनाव में बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए ने निर्णायक जीत हासिल करते हुए विपक्ष की 75 सीटों के मुकाबले 102 सीटें जीतीं। बीजेपी को 82 सीटें मिलीं, जबकि उसके सहयोगी असम गण परिषद (एजीपी) और बोडोलैंड पीपुल्स फंट (बीओपीएफ) को 10-10 सीटें जीती हैं।

राजनीति

पीएम मोदी बेंगलुरु में एक विशाल जनसभा में बोले- साहस और शक्ति हमारी ताकत

वो दिन दूर नहीं, जब केरलम में भी बीजेपी-एनडीए बहुमत के आंकड़े को पार करेगी

बेंगलुरु। पीएम नरेंद्र मोदी रविवार को बेंगलुरु में एक विशाल जनसभा में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि आज बेंगलुरु की धरती से भगवा सूरज उग आया है। उन्होंने कहा कि अभी केरलम में भी हम 1 से 3 एमएलए पर पहुंच गए हैं। अब वो दिन दूर नहीं, जब केरलम में भी बीजेपी-एनडीए की संख्या तीन से बढ़कर बहुमत के आंकड़े को पार कर जाएगी। उन्होंने कहा कि एक बीजेपी कार्यकर्ता के तौर पर, मैं समझता हूं कि जब हजारों बीजेपी कार्यकर्ता इतनी सुबह एक साथ आ सकते हैं, तो इसका क्या मतलब होता है। मैं आप सभी का आभारी हूं। बंगाल की जीत आपकी भी जीत है। पीएम मोदी ने कहा कि आज 10 मई की ऐतिहासिक तारीख है। 1857 में आज के ही दिन स्वतंत्रता संग्राम की पहली चिंगारी फूटी थी। समय के साथ ये चिंगारी एक बड़ी ज्वाला में बदल गई, जिसने गुलामी की बेड़ियों को जलाकर राख कर दिया।

उन्होंने कहा कि साहस और शक्ति की विरासत ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है। इसी भावना से प्रेरित होकर, तीन दिन पहले हमने ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ मनाई। कल सुबह 11 तारीख को मैं गुजरात के सोमनाथ में रहूंगा, जहां मंदिर के पुनर्निर्माण का उत्सव मनाया जाएगा।

पीएम ने अपने संबोधन में कहा कि आज मैं ऐसे समय में बेंगलुरु आया हूं, जब देश में चुनाव परिणामों पर चर्चा चल रही है। पुडुचेरी में लगातार दूसरी बार और असम में तीसरी बार एनडीए की सरकार बनना, बंगाल में पहली बार बीजेपी को इतना बड़ा आशीर्वाद मिलना और अभी-अभी 2 सप्ताह पहले गुजरात के पंचायत और निकाय चुनाव में इतनी भारी विजय मिली कि गुजरात बीजेपी ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। ये चुनाव परिणाम भारत की राजनीतिक दशा-दिशा के लिए अहम हैं। ये भारत के नौजवानों, महिलाओं, किसानों, गरीबों और मध्यम वर्ग, हर वर्ग का मूड दर्शाते हैं। इन परिणामों का एक बहुत बड़ा संदेश ये है कि अस्थिरता में घिरी इस दुनिया में भारत की जनता स्थिरता का मंत्र दे रही है।

उन्होंने कहा कि आपको याद होगा कि सिर्फ 10 साल पहले बंगाल में हमारे सिर्फ 3 एमएलए थे। लेकिन आज वहां 200 से भी ज्यादा विधायकों के साथ बीजेपी की सरकार है। अभी केरलम में भी हम 1 से 3 एमएलए पर पहुंच गए हैं।

रेलवे सुरक्षा बल इटारसी की बड़ी कार्रवाई, अवैध वेंडरों और रेलवे नियम तोड़ने वालों पर चला सख्त अभियान

स्टेशन, ट्रेनों और आउटर क्षेत्रों में आरपीएफ की लगातार निगरानी; एक ही दिन में 73 लोगों पर कार्रवाई, रेलवे मजिस्ट्रेट ने लगाया करीब 93 हजार रुपए का जुर्माना

इटारसी। यात्रियों की सुरक्षा, रेलवे परिसर में अनुशासन बनाए रखने और रेल अधिनियम का सख्ती से पालन कराने के उद्देश्य से रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) इटारसी द्वारा लगातार विशेष अभियान चलाया जा रहा है। वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त आरपीएफ भोपाल डॉ. अभिषेक के निर्देशन तथा आरपीएफ निरीक्षक मनीष पाण्डेय के पर्यवेक्षण में इटारसी रेलवे स्टेशन, ट्रेनों और आउटर क्षेत्रों में अवैध गतिविधियों के खिलाफ व्यापक स्तर पर कार्रवाई की जा रही है।

आरपीएफ की टीम द्वारा विशेष रूप से ट्रेनों और प्लेटफॉर्मों पर अनाधिकृत रूप से खाद्य सामग्री बेचने वाले अवैध वेंडरों और हॉकर्स पर निगरानी रखी जा रही है। इसके

अलावा रेलवे अधिनियम का उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध भी लगातार धरपकड़ अभियान जारी है। इसमें बिना कारण ट्रेन की अलार्म चेन पुलिंग करने वाले, रेलवे परिसर में गंदगी और उपद्रव फैलाने वाले, ट्रैक पार करने वाले ट्रेसपासर, महिला कोच में यात्रा करने वाले पुरुष यात्री तथा दिव्यांग कोच में अनधिकृत रूप से सफर करने वाले सामान्य यात्रियों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

इसी अभियान के तहत शुक्रवार 9 मई 2026 को आरपीएफ इटारसी ने बड़ी कार्रवाई करते हुए कुल 73 लोगों को पकड़कर रेलवे अधिनियम के अंतर्गत मामला दर्ज किया और उन्हें माननीय रेलवे मजिस्ट्रेट भोपाल के समक्ष प्रस्तुत किया। रेलवे मजिस्ट्रेट द्वारा सभी आरोपियों पर कार्रवाई करते हुए लगभग 93 हजार रुपए का जुर्माना वसूला गया।

आरपीएफ द्वारा की गई कार्रवाई में 15 अवैध वेंडर, 5 ट्रेसपास करने वाले व्यक्ति, 7 न्यूसेंस फैलाने वाले, ट्रेन के कोच के पायदान पर बैठकर यात्रा करने वाले 14 यात्री, महिला कोच में सफर कर रहे 16 पुरुष यात्री तथा दिव्यांग कोच में यात्रा कर रहे 15 सामान्य यात्री शामिल रहे। इसके अतिरिक्त बिना उचित कारण ट्रेन की चेन पुलिंग करने वाले एक व्यक्ति के खिलाफ भी वैधानिक कार्रवाई की गई। आरपीएफ अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि रेलवे स्टेशन और ट्रेनों में सुरक्षा एवं व्यवस्था बनाए रखने के लिए यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा। यात्रियों से भी अपील की गई है कि वे रेलवे नियमों का पालन करें तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत आरपीएफ को दें, ताकि सुरक्षित और सुव्यवस्थित रेल यात्रा सुनिश्चित की जा सके।

जनगणना महाअभियान में स्काउट-गाइड बने सेवा और सहयोग की मिसाल

सीधी। जिले में संचालित जनगणना महाअभियान को सफल एवं प्रभावी बनाने में स्काउट एवं गाइड वालेंटियर्स महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। सेवा, अनुशासन और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना से प्रेरित ये वालेंटियर्स अपने-अपने निवास क्षेत्रों में प्रगणकों के साथ घर-घर पहुंचकर नागरिकों को जनगणना संबंधी जानकारी उपलब्ध कराने तथा आवश्यक सहयोग प्रदान करने का कार्य कर रहे हैं।

स्काउट-गाइड वालेंटियर्स विशेष रूप से बुजुर्गों, महिलाओं एवं कम पढ़े-लिखे नागरिकों की सहायता करते हुए उन्हें जनगणना प्रक्रिया को समझाने एवं आवश्यक जानकारी दर्ज कराने में सहयोग कर रहे हैं। वालेंटियर्स का यह समर्पण जनभागीदारी और सामाजिक सहयोग का उत्कृष्ट उदाहरण बनकर सामने आया है। जनगणना कार्य में लगे प्रगणकों ने भी स्काउट-गाइड विद्यार्थियों के सहयोग की सराहना करते हुए कहा कि इनके सहयोग से लोगों तक सहज रूप से पहुंच बन रही है तथा जनगणना कार्य अधिक सरल, सुगम एवं प्रभावी ढंग से संपन्न हो रहा है।

जिले के विभिन्न क्षेत्रों में स्काउट एवं गाइड विद्यार्थियों द्वारा दिखाई जा रही सेवा भावना समाज के प्रति उनकी संवेदनशीलता और जिम्मेदारी को दर्शाती है। उनका यह योगदान न केवल जनगणना अभियान को मजबूती प्रदान कर रहा है, बल्कि युवाओं में सामाजिक सहभागिता एवं राष्ट्रनिर्माण की भावना को भी प्रोत्साहित कर रहा है। जिला प्रशासन ने स्काउट-गाइड वालेंटियर्स के इस सराहनीय योगदान की प्रशंसा करते हुए कहा कि जनगणना जैसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्यों में युवाओं की सक्रिय सहभागिता एक जागरूक, संगठित और सशक्त समाज के निर्माण की दिशा में प्रेरणादायी कदम है।

जनगणना कार्य में लापरवाही पर प्रगणक को नोटिस

सीधी। जनगणना-2027 के अंतर्गत मकान सूचीकरण कार्य में लापरवाही बरतने पर प्राथमिक शिक्षक एवं प्रगणक पंकज कुमार सिंह को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। कार्यालय तहसीलदार एवं चार्ज अधिकारी जनगणना तहसील गोपद बनास द्वारा जारी नोटिस में कहा गया है कि संबंधित प्रगणक द्वारा जनगणना कार्य प्रारंभ नहीं किया गया तथा प्रस्तुत जवाब समाधानकारक नहीं पाया गया। कलेक्टर विकास मिश्रा ने निर्देश दिए हैं कि संबंधित कर्मचारी 24 घंटे के भीतर जवाब प्रस्तुत करें। संतोषजनक जवाब प्राप्त नहीं होने पर म.प्र. सिविल सेवा नियमों के तहत कार्रवाई की जाएगी।

कृषक कल्याण वर्ष 2026 के अंतर्गत गुड्डुआधार एवं खोखरा में आयोजित हुई मछुआ चौपाल

सीधी। मध्यप्रदेश शासन द्वारा घोषित कृषक कल्याण वर्ष 2026 के अंतर्गत मछुआरों को शासकीय योजनाओं से जोड़ने एवं मत्स्य पालन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जिले में मछुआ चौपालों का आयोजन किया जा रहा है। जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में मत्स्य विभाग द्वारा आयोजित इन कार्यक्रमों के माध्यम से मत्स्यपालकों को आधुनिक तकनीक एवं विभागीय योजनाओं की जानकारी प्रदान की जा रही है।

सहायक संचालक मत्स्योद्योग ने जानकारी देते हुए बताया कि दिनांक 07 मई 2026 को प्रथम सत्र में विकासखंड कुसमी अंतर्गत ग्राम पंचायत गुड्डुआधार में मछुआ चौपाल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कविता स्व सहायता समूह गुड्डुआधार की

अध्यक्ष आरती साहू द्वारा की गई। चौपाल में समूह के सदस्यों एवं उपस्थित मत्स्यपालकों को मत्स्य पालन की उन्नत तकनीकों, उत्पादन वृद्धि के उपायों तथा विभागीय योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही कविता स्व सहायता समूह गुड्डुआधार का एनएफडीपी पोर्टल पर पंजीयन भी कराया गया।

इसी क्रम में द्वितीय सत्र में बरचर जलाशय के समीप स्थित पर्यटक ग्राम खोखरा, विकासखंड कुसमी में भी मछुआ चौपाल आयोजित की गई। कार्यक्रम में आदिवासी मत्स्य सहकारी समिति खोखरा बड़काडोल के सदस्यों एवं आसपास के अनुसूचित जनजाति वर्ग के मत्स्यपालकों ने सहभागिता की। इस दौरान उपस्थित मत्स्यपालकों को मत्स्य पालन की आधुनिक तकनीकों का प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में मत्स्य विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं जैसे मछुआ किसान क्रेडिट कार्ड, बचत सह राहत योजना, दुर्घटना बीमा योजना सहित अन्य लाभकारी योजनाओं की जानकारी भी दी गई। अधिकारियों ने मत्स्यपालकों को योजनाओं का लाभ लेकर आत्मनिर्भर बनने एवं आय वृद्धि के लिए आधुनिक मत्स्य पालन अपनाने हेतु प्रेरित किया।

मछुआ चौपालों के माध्यम से ग्रामीण एवं आदिवासी क्षेत्रों के मत्स्यपालकों में उत्साह दिखाई दिया तथा उन्होंने विभागीय योजनाओं एवं तकनीकी प्रशिक्षण को उपयोगी बताते हुए शासन की पहल की सराहना की।

प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु जिला स्तरीय कार्यशाला आयोजित

सीधी। कलेक्टर विकास मिश्रा के निर्देशानुसार एवं डिप्टी कलेक्टर सह परियोजना अधिकारी प्रिया पाठक के मार्गदर्शन में प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना अंतर्गत जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन नगर पालिका सीधी के सभा कक्ष में संपन्न हुआ। कार्यशाला में जिले के समस्त नगरीय निकायों के बैंक प्रबंधक, लीड बैंक प्रबंधक, संबंधित अधिकारी तथा स्व-सहायता समूह की महिलाएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के उद्देश्यों, निर्धारित लक्ष्यों, वर्तमान प्रगति तथा पात्र हितग्राहियों को अधिक से अधिक लाभ उपलब्ध कराने संबंधी विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। डिप्टी कलेक्टर सह परियोजना अधिकारी प्रिया पाठक ने बैंक प्रबंधकों के साथ समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि 30 सितंबर 2026 तक शासन द्वारा निर्धारित लक्ष्यों की पूर्ति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि योजना के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को समयबद्ध रूप से ऋण स्वीकृति एवं वितरण किया जाना प्राथमिकता रहे, ताकि स्वरोजगार को बढ़ावा मिल सके तथा छोटे व्यवसायियों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जा सके। कार्यशाला में योजना के सफल एवं प्रभावी क्रियान्वयन हेतु सभी विभागों एवं बैंकिंग संस्थाओं के मध्य बेहतर समन्वय स्थापित कर कार्य करने पर जोर दिया गया। उपस्थित अधिकारियों एवं बैंक प्रतिनिधियों ने भी हितग्राहियों को अधिकाधिक लाभ पहुंचाने तथा योजना को सफल बनाने के लिए सक्रिय सहयोग का आश्वासन दिया।

बिना अनुमति अनुपस्थित रहने पर कर्मचारी को नोटिस जारी

सीधी। तहसील बहरी में पदस्थ एक कर्मचारी के बिना अनुमति कार्यालय से अनुपस्थित रहने पर कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। कार्यालय तहसीलदार बहरी द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन में बताया गया है कि संबंधित कर्मचारी को जनसुनवाई, जाति प्रमाण पत्र एवं अन्य शासकीय कार्यों की जिम्मेदारी सौंपी गई थी, किन्तु वह दिनांक 13 अप्रैल 2026 से बिना सक्षम अधिकारी की अनुमति के अनुपस्थित हैं। साथ ही पूर्व में भी व्हाट्सऐप के माध्यम से अवकाश आवेदन प्रस्तुत कर लंबे समय तक अवकाश पर रहने की जानकारी दी गई है। कलेक्टर विकास मिश्रा ने निर्देश दिए हैं कि संबंधित कर्मचारी 3 दिवस के भीतर उपस्थित होकर अपना जवाब प्रस्तुत करें। संतोषजनक जवाब प्राप्त नहीं होने पर म.प्र. सिविल सेवा नियमों के तहत कार्रवाई की जाएगी।

दुआरी, कोचिटा, उमरिहा एवं खुटेली में 9 मई को लगेंगे विशेष स्वास्थ्य परीक्षण शिविर

सीधी। जिले के दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों में आमजन को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के त्वरित निराकरण के उद्देश्य से 09 मई 2026 को विशेष स्वास्थ्य परीक्षण शिविरों का आयोजन किया जाएगा। मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत श्री शैलेन्द्र सिंह सोलंकी द्वारा इस संबंध में आदेश जारी किए गए हैं।

जारी निर्देशों के अनुसार 09 मई को प्रात: 09 बजे से दोपहर 01 बजे तक जिले की विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों की चयनित ग्राम पंचायतों में शिविर आयोजित किए जाएंगे। इनमें धौहनी विधानसभा अंतर्गत ग्राम पंचायत दुआरी, सीधी विधानसभा अंतर्गत ग्राम पंचायत कोचिटा, चुरहट विधानसभा अंतर्गत ग्राम पंचायत उमरिहा तथा सिहावल विधानसभा अंतर्गत ग्राम पंचायत खुटेली शामिल हैं।

इन शिविरों के माध्यम से ग्रामीण नागरिकों को स्वास्थ्य परीक्षण, उपचार परामर्श एवं विभिन्न शासकीय योजनाओं से संबंधित सुविधाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जाएंगी। शिविरों में महिला एवं बाल विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग, सामाजिक न्याय विभाग तथा आयुष विभाग की संयुक्त भागीदारी रहेगी, जिससे लोगों को समेकित एवं बेहतर सेवाएं प्रदान की जा सकें।

शिविरों के संचालन हेतु संबंधित क्षेत्रों के सीडीपीओ एवं बीएमओ को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। निर्देशानुसार शिविरों का आयोजन ग्राम पंचायत भवन, सामुदायिक भवन अथवा अन्य उपलब्ध शासकीय भवनों में किया जाएगा। जिला प्रशासन द्वारा शिविरों के व्यापक प्रचार-प्रसार के निर्देश भी दिए गए हैं। इसके तहत ग्राम पंचायतों में मुनादी कराई जाएगी तथा स्थानीय जनप्रतिनिधियों को भी कार्यक्रम की जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी, ताकि अधिक से अधिक ग्रामीणजन इन शिविरों का लाभ उठा सकें।

शिविर में आने वाले नागरिकों को आधार कार्ड एवं समग्र आईडी साथ लाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। साथ ही पात्र हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड बनाए जाने का भी प्रयास किया जाएगा। शिविर के दौरान नशा मुक्ति एवं जनगणना से संबंधित शपथ कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे।

जिला प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि वे इन स्वास्थ्य परीक्षण शिविरों में पहुंचकर स्वास्थ्य सेवाओं एवं शासकीय योजनाओं का अधिकतम लाभ प्राप्त करें।

09 मई को आयोजित नेशनल लोक अदालत में विद्युत प्रकरणों के निराकरण हेतु विशेष छूट

सीधी। अधीक्षण अभियंता, म.प्र. पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड ने जानकारी देते हुए बताया कि मध्यप्रदेश शासन ऊर्जा विभाग के निर्देशानुसार विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 135, 138 एवं 126 के अंतर्गत लंबित प्रकरणों के निराकरण के लिए 09 मई 2026 (शनिवार) को आयोजित नेशनल लोक अदालत में पात्र उपभोक्ताओं को विशेष छूट प्रदान की जाएगी। उन्होंने बताया कि इस विशेष छूट का लाभ समस्त घरेलू उपभोक्ताओं, कृषि उपभोक्ताओं, 5 किलोवाट भार तक के गैर घरेलू उपभोक्ताओं तथा 10 अश्वशक्ति भार तक के औद्योगिक उपभोक्ताओं को दिया जाएगा। प्री-लिटिगेशन एवं लिटिगेशन स्तर के प्रकरणों में निर्धारित शर्तों के अनुसार बकाया राशि पर लगने वाले ब्याज में 100 प्रतिशत तक की छूट प्रदान की जाएगी। अधिकारियों ने बताया कि प्री-लिटिगेशन स्तर के मामलों में सिविल दायित्व राशि के भुगतान में विलंब पर लगने वाले ब्याज तथा लिटिगेशन स्तर के मामलों में निर्धारित अवधि के बाद देय ब्याज राशि में पूर्ण छूट का प्रावधान किया गया है। यह छूट 10 लाख रुपये तक की सिविल दायित्व राशि वाले प्रकरणों पर लागू होगी। छूट प्राप्त करने के लिए उपभोक्ताओं को निर्धारित शेष राशि का एकमुश्त भुगतान करना होगा। साथ ही संबंधित उपभोक्ता के नाम दर्ज अन्य विद्युत संयोजनों के बकाया देयों का भुगतान भी अनिवार्य होगा। जिन उपभोक्ताओं के नाम पर विधिक संयोजन नहीं है, उन्हें छूट का लाभ लेने के लिए विधिक संयोजन प्राप्त करना आवश्यक होगा। अधीक्षण अभियंता ने बताया कि विद्युत चोरी अथवा अनाधिकृत उपयोग के मामलों में यह छूट केवल पहली बार प्रकरण में शामिल उपभोक्ताओं को ही प्रदान की जाएगी। पूर्व में लोक अदालतों के माध्यम से छूट प्राप्त कर चुके उपभोक्ता इस सुविधा के पात्र नहीं होंगे। सामान्य विद्युत बिलों की बकाया राशि पर किसी प्रकार की छूट देय नहीं होगी। उन्होंने पात्र उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे 09 मई 2026 को आयोजित नेशनल लोक अदालत में उपस्थित होकर प्रकरणों का निराकरण कर शासन द्वारा दी जा रही विशेष छूट का लाभ प्राप्त करें।

आश्रय स्थल में हितग्राहियों का कराया गया स्वास्थ्य परीक्षण

सीधी। डिप्टी कलेक्टर सह मुख्य नगर पालिका अधिकारी प्रिया पाठक के मार्गदर्शन में गुरुवार को आश्रय स्थल सीधी में निवासरत हितग्राहियों का विशेष स्वास्थ्य परीक्षण कराया गया। स्वास्थ्य परीक्षण जिला चिकित्सालय सीधी की चिकित्सकीय टीम द्वारा किया गया, जिसमें हितग्राहियों के सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण के साथ रक्तचाप, शुगर एवं अन्य आवश्यक स्वास्थ्य संबंधी जांचें की गईं। चिकित्सकों द्वारा स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक परामर्श प्रदान करते हुए जरूरतमंद हितग्राहियों को आवश्यक दवाइयों का वितरण भी किया गया।

इस दौरान चिकित्सकीय टीम ने हितग्राहियों को स्वच्छता, संतुलित आहार एवं नियमित स्वास्थ्य जांच के प्रति जागरूक किया। आश्रय स्थल में रह रहे लोगों ने जिला प्रशासन की इस संवेदनशील पहल की सराहना की। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर विकास मिश्रा द्वारा 30 अप्रैल को आश्रय

स्थल सीधी का निरीक्षण किया गया था। निरीक्षण के दौरान उन्होंने आश्रय स्थल में निवासरत हितग्राहियों के नियमित स्वास्थ्य परीक्षण एवं आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए थे। उन्हीं निर्देशों के अनुपालन में यह स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित किया गया। जिला प्रशासन द्वारा आश्रय स्थल में निवासरत जरूरतमंद व्यक्तियों के स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं आवश्यक सुविधाओं का समय-समय पर विशेष ध्यान रखा जा रहा है, ताकि उन्हें सुरक्षित एवं सम्मानजनक वातावरण उपलब्ध कराया जा सके।

पुलिस के साथ मारपीट करने वाले आरोपियों को 6 माह के सश्रम कारावास की सजा

सीधी। चुरहट, बताया गया कि दिनांक 09.11.2018 को फरियादी आरक्षक रावेंद्र सिंह, चौकी प्रभारी एवं सहायक उपनिरीक्षक राजमणि अहिरवार एवं अधिग्रहीत वाहन चालक प्रदीप शर्मा के साथ देहात भ्रमण में गए थे। समय करीब 19:30 बजे सेमरिया बाजार में कल्लू गुप्ता के होटल के पास पहुंचे तो रोडपर राकेश गुप्ता अपनी मोटरसाइकल व स्कूटी खड़ी किए था, जिससे आवागवन बाधित हो रहा था और आम जनता को आने जाने में असुविधा हो रही थी। चौकी प्रभारी के निर्देश पर फरियादी आरक्षक गाड़ी से उतर कर रमेश गुप्ता को समझाने लगा कि रोडपर वाहन मत खड़ा किया करो, हटा लो, तो राकेश गुप्ता का भाई कमलेश गुप्ता व रामपाल उर्फ मंज गुप्ता अपनी दुकान का काउंटर धकेल दिये व अश्लीकल गालियां देते हुए उससे लपट पडे जिससे फरियादी आरक्षक की वर्दी का नेम प्लेट टूटकर गिर गया तथा राकेश गुप्ता ने उसे हाथ- मुक्कों से मारा । इतने में स. उ.नि. अहिरवार व चौकी प्रभारी आए तो ये कहते हुए कि तुम्हार जैसे बहुत पुलिस वाले देखे है तुम्हारी गाड़ी में आग लगाकर तुमलोगो को जला देंगे और चौकी में आग लगा देंगे। जिस पर आरोपीगण के विरुद्ध थाना चुरहट में अपराध क्रमांक 497/2018 धारा 353,186,332,294,506,34,283 भा.द.वि. का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना उपरांत अभियोग पत्र माननीय न्यायालय चुरहट के समक्ष पेश किया गया, जिसके न्या/यालयीन प्रकरण क्रमांक ऋट्ठ/44/2019में शासन की ओर से सहायक निदेशक, अभियोजन सीधी श्री राजकुमार रावत के कुशल निर्देशन में सशक्त पैरवी करते हुए सहायक जिला अभियोजन अधिकारी श्री गरूण कुमार कोल, चुरहट के द्वारा अभियुक्तगणको संदेह से परे प्रमाणित कराया गया। परिणामस्वलरूप माननीयन्याि‍यक मजिस्ट्रेथट प्रथम श्रेणी, चुरहट की न्यागयालय के द्वारा अभियुक्तागण1. राकेश गुप्ता पिता कल्लू गुप्ता, उम्र-30 वर्ष,2. कमलेश गुप्ता पिता कल्लू गुप्ता, उम्र-25 वर्ष,3. रामपाल गुप्ता पिता मंजा गुप्ता, उम्र-35 वर्ष, सभी निवासीग्राम सेमरिया, आरक्षी केंद्र कमर्जी, जिला सीधी (म.प्र.)तीनों को धारा332, 34 भादवि के आरोप में 06-06 माह के सश्रम कारावास एवं500/- 500/- रूपए के अर्थदण्ड से दण्डित कियागया।

कांग्रेस का जन न्याय सत्याग्रह, 13 मई से 25 घंटे का उपवास

जन न्याय सत्याग्रह, लोकतंत्र और सामाजिक न्याय की लड़ाई

प्रदीप कुमार बैरसिया

विधानसभा क्षेत्र में किसानों, मजदूरों और आम जनता से जुड़े मुद्दों को लेकर कांग्रेस पार्टी आंदोलनात्मक रुख अपनाने जा रही है। कांग्रेस सेवादल प्रदेश अध्यक्ष अवनीश भार्गव एवं जिला ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष अनोखी मान सिंह पटेल ने बैरसिया स्थित विश्राम गृह में आयोजित पत्रकार वार्ता में बताया कि कांग्रेस पार्टी 13 मई से 14 मई 2026 तक बस स्टैंड चौराहा, बैरसिया में 'जन न्याय सत्याग्रह' और 25 घंटे का उपवास रखेंगे नेताओं ने कहा कि बैरसिया विधानसभा क्षेत्र में किसानों,मजदूरों और आम जनता की समस्याएं लगातार बढ़ती जा रही हैं, लेकिन जिम्मेदार विभाग और सरकार इन मुद्दों पर गंभीरता नहीं ले रहे हैं। इसी के विरोध में कांग्रेस पार्टी जनता के हक और न्याय की लड़ाई को लेकर यह आंदोलन करेगी।

पत्रकारवार्ता में कांग्रेस नेताओं ने क्षेत्र की प्रमुख समस्याओं को उठाते हुए कहा कि बैरसिया-भोपाल मार्ग अब दुर्घटनाओं का केंद्र बन चुका है और आए दिन सड़क हादसों में लोगों की जान जा रही है। पार्टी ने इस मार्ग को शीघ्र 6 लेन करने की मांग उठाई। साथ ही गेहूं खरीदी में देरी के कारण किसानों पर लगाए जा रहे दंड ब्याज को समाप्त करने, नहरों से किसानों को जोड़ने, बैरसिया-नरसिंहगढ़ मार्ग पर टूटे हुए पार्वती पुल का निर्माण शीघ्र शुरू कराने की मांग भी रखी गई। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि क्षेत्र के सरकारी विभागों, जनपद पंचायतों, जल जीवन मिशन योजनाओं, तहसील कार्यालय, नगर पालिका परिषद और विकास कार्यों में व्यापक भ्रष्टाचार व्याप्त है, जिससे आम जनता परेशान है। नेताओं ने अवैध शराब, गांजा और सट्टे के कारोबार पर तत्काल रोक लगाने की भी मांग की। इसके अलावा लोक निर्माण विभाग और प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजनाओं की खराब स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए सड़कों की तत्काल मरम्मत कराने की मांग की गई। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि क्षेत्र की इन जनसमस्याओं और जनता के अधिकारों की लड़ाई को मजबूत करने के लिए आयोजित इस जन न्याय सत्याग्रह में जिला ग्रामीण कांग्रेस कमेटी, सेवादल, ब्लॉक कांग्रेस, नगर कांग्रेस, किसान कांग्रेस, महिला कांग्रेस, युवक कांग्रेस, एन.एस.यु.आई सहित विभिन्न प्रकोष्ठों के पदाधिकारी और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में शामिल होंगे। कांग्रेस ने क्षेत्र की जनता से भी इस आंदोलन में शामिल होकर अपनी आवाज बुलंद करने की अपील की है।

जनपद पंचायत सदस्य धर्मेंद्र सिंह द्वारा नाली निर्माण कार्य का निरीक्षण

भैरुन्दा। धर्मेन्द्र सिंह पंवार (गोलू भैया) ने ग्राम पंचायत चिचलाहकला के गांव निपानिया पहुंचकर किया नाली का निरीक्षण,निर्माण कार्य में अनियमितताएं पाई गई, जहां तार की जाली बनाने में आठ एम एम का सरिया लगना था,उसमें लगाया 6 mm 10 mm का लगना था लगाया 6 mm इंजिनियर कुशवाह जी के अनुसार जाल बनाने में 4 तार लगेंगे, ओर एक एक फिट की दूरी पर कोंडल लगेगी, लेकिन लगाई गई थी दो ढाई,फिट की दूरी पर, जनपद पंचायत इंजीनियर फ्रांसीस जी के अनुसार नाली में छह तार लगने होते है,चुकी नाली डेढ़ बाय डेढ़ की बन रही है, नाली में भरा था पानी,ओर काम चालू था, घरों के सामने इंजीनियर ने कहा बनेंगे नाली के ऊपर से निकलने के लिए छह इंच मोटे छत ताकि वाहन निकलने में असुविधा न हो,8इंच की कोठिया हटवाई गई चुकी यह वारिस के दिनों में पानी निकलने में रुकावट बनेगी, इस दौरान ग्रामीण सहित सरपंच प्रतिनिधि राजकुमार जी,सचिव शिव साहू, सहायक सचिव विनोद पंवार उपस्थित रहे। इंजिनियर और सरपंच प्रतिनिधि ने कहा दुबारा शिकायत का मौका नहीं देंगे, ओर स्टीमेट के अनुसार ही निर्माण कार्य करेंगे, जनपद सदस्य को ग्रामीणों ने की थी शिकायत।

भीषण गर्मी में यात्रियों के लिए राहत बनी सत्य साईं फाउंडेशन की जलसेवा, डॉ. मयंक तोमर ने बांटा शीतल जल

इटारसी। भीषण गर्मी के बीच रेलवे स्टेशन पर यात्रियों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से सत्य साईं सेवा फाउंडेशन द्वारा संचालित निन्शुल्क जलसेवा कार्यक्रम निरंतर जारी है। इसी क्रम में वरिष्ठ शिक्षाविद एवं समाजसेवी डॉ. मयंक तोमर स्टेशन पहुंचे और स्वयं यात्रियों को शीतल पेयजल वितरित कर सेवा कार्य में सहभागिता निभाई। ट्रेन के इंतजार में बैठे यात्रियों और सफर कर रहे लोगों ने इस सेवा की सराहना की।

डॉ. मयंक तोमर ने कहा कि मानव सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है और सत्य साईं सेवा फाउंडेशन पिछले कई वर्षों से निस्वार्थ भाव से समाजहित में कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि संस्था केवल जलसेवा तक सीमित नहीं है, बल्कि निन्शुल्क चिकित्सा शिविर, शिक्षा सहयोग, जरूरतमंदों की सहायता, वृद्धजनों की सेवा तथा सामाजिक जागरूकता जैसे अनेक क्षेत्रों में भी सक्रिय भूमिका निभा रही है। उन्होंने युवाओं से भी ऐसे सेवा कार्यों से जुड़ने का आह्वान किया।

वरिष्ठ समिति सदस्य छगनलाल आठनेरे ने बताया कि रेलवे स्टेशन पर यह जलसेवा अभियान लगभग 20 वर्षों से लगातार संचालित किया जा रहा है, जिससे हजारों यात्रियों को गर्मी के मौसम में राहत मिलती है। उन्होंने कहा कि संस्था का उद्देश्य केवल पानी पिलाना नहीं, बल्कि सेवा और संवेदनशीलता का संदेश समाज तक पहुंचाना है।

जल निकासी और पेयजल व्यवस्था को लेकर नपा अध्यक्ष पंकज चोरे का मैदानी निरीक्षण

संपवेल से हो रही जल सप्लाई की ली जानकारी, न्यास कॉलोनी में बंद नाले खुलवाकर कराया पानी का निकास

इटारसी। शहर की पेयजल एवं जल निकासी व्यवस्था को दुरुस्त बनाए रखने के उद्देश्य से नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चोरे ने शुक्रवार को वार्ड क्रमांक 30 एवं वार्ड क्रमांक 15 का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक निर्देश भी दिए। नपा अध्यक्ष श्री चोरे सबसे पहले वार्ड क्रमांक 30 स्थित दुर्गा माता मंदिर के समीप बने संपवेल पहुंचे, जहां उन्होंने पेयजल सप्लाई व्यवस्था का जायजा लिया। इस संपवेल से वार्ड क्रमांक 15, 16, 17 सहित पुलिस लाइन क्षेत्र में जलापूर्ति की जाती है। उन्होंने जल विभाग के कर्मचारियों से सप्लाई की स्थिति, वितरण व्यवस्था एवं तकनीकी संचालन की जानकारी प्राप्त की और नियमित एवं सुचारु जलापूर्ति बनाए रखने के निर्देश दिए। इसके बाद श्री चोरे वार्ड क्रमांक 15 स्थित न्यास कॉलोनी पहुंचे, जहां हाल ही में निर्मित नाले की जल निकासी व्यवस्था का निरीक्षण किया गया। क्षेत्र के नागरिकों ने शिकायत की कि गंदा पानी नाले में सही तरीके से नहीं जा रहा है, जिससे पानी जमा होने की समस्या उत्पन्न हो रही है। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए नपा अध्यक्ष ने तत्काल स्वच्छता कर्मचारियों को मौके पर बुलाया। निरीक्षण के दौरान उनकी मौजूदगी में नाले के बंद छेद खुलवाए गए तथा पानी की निकासी सुचारु करने के लिए नाले की दीवार का एक हिस्सा अस्थायी रूप से हटाया गया। इसके बाद जमा पानी की निकासी कराई गई। श्री चोरे ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पानी पूरी तरह निकलने के बाद दीवार का पुनः निर्माण गुणवत्तापूर्ण तरीके से कराया जाए, ताकि भविष्य में ऐसी समस्या दोबारा उत्पन्न न हो। निरीक्षण के दौरान जल विभाग एवं स्वच्छता विभाग के कर्मचारी मौजूद रहे।

प्रणाम उदन्त मार्तण्ड पत्रकारिता का मूल नरेटिव हिंदुस्तानियों के हित के लिए ही होना चाहिए: आचार्य मिथिलेश नन्दिनीशरण

हिंदी पत्रकारिता के 200 वर्ष पूर्ण होने पर भारत भवन में समारोह आयोजित

माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय और वीर भारत न्यास का संयुक्त आयोजन

भोपाल। हिंदी पत्रकारिता के 200 गौरवशाली वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भारत भवन में तीन दिवसीय विशेष आयोजन %प्रणाम उदन्त मार्तण्ड% का भव्य शुभारंभ हुआ। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय और वीर भारत न्यास द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम के पहले दिन देश भर के प्रख्यात पत्रकारों और विद्वानों ने शिरकत की।

मुख्य वक्ता उ.प्र. के अयोध्या के आचार्य मिथिलेश नन्दिनीशरण ने उत्तिष्ठ भारत सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि पंडित युगलकिशोर शुक्ल ने 200 वर्ष पूर्व हिंदुस्तानियों के हित के हेत लिखकर पत्रकारिता का जो नरेटिव तय किया था, वह आज भी शाश्वत् है। उन्होंने पत्रकारिता को समाज का तत्वज्ञ वैद्य बताया जो समाज की नाड़ी पहचानता है। आचार्य ने सामाजिक मूल्यों पर बल देते हुए कहा कि परिवार ही व्यक्तित्व निर्माण की सबसे मजबूत प्रयोगशाला है और संबंधों को तर्क से नहीं, बल्कि निभाने के भाव से सींचा जाना चाहिए। विश्वविद्यालय के कुलगुरु श्री विजय मनोहर तिवारी ने आधुनिक तकनीक की चुनौतियों पर चर्चा करते हुए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डीपफेक को %स्वर्ण मृग% की संज्ञा दी। उन्होंने विद्यार्थियों को चेताया कि इस मायावी जाल से सावधान रहने की आवश्यकता है। वहीं, भारत सरकार के पूर्व सूचना आयुक्त श्री उदय माहुरकर ने नेशन फर्स्ट(राष्ट्र प्रथम) के सिद्धांत पर जोर देते हुए कहा कि पत्रकारों को विचारधाराओं से ऊपर उठकर सत्य को प्रदर्शित करना चाहिए।

सत्र के दौरान डॉ. सी. जयशंकर बाबू ने हिंदी पत्रकारिता के प्रसार में दक्षिण भारत के महत्वपूर्ण योगदान को रेखांकित किया। साथ ही, वरिष्ठ पत्रकारों ने डिजिटल समय में टीवी पत्रकारिता विषय पर अपने अनुभव साझा किए। इस अवसर पर माखन के लाल, कार्टून कथा और विद्यार्थियों द्वारा तैयार समाचार पत्रों प्रणाम उदन्त मार्तण्ड, अभ्युद्र एवं पहल का लोकार्पण भी किया गया। तीन दिवसीय समारोह में 10 मई तक पत्रकारिता की यात्रा और भविष्य पर विभिन्न सत्रों में मंथन होगा।

टाइगर रिजर्व के अध्ययन के लिये कान्हा पहुंचा मलेशियाई प्रतिनिधिमंडल, वन एवं वन्य जीव संरक्षण की सराहना की

भोपाल। मंडला जिले स्थित कान्हा टाइगर रिजर्व में मलेशियाई वन विभाग का 7 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल तीन दिवसीय अध्ययन भ्रमण पर पहुँचा है। मलेशियाई प्रतिनिधिमंडल ने कान्हा में संचालित संरक्षण प्रयासों की सराहना करते हुए अपने देश में भी ऐसे मॉडल अपनाने में रुचि व्यक्त की। एपीसीसीएफ श्री एल. कृष्णमूर्ति एवं फील्ड डायरेक्टर श्री रवीन्द्र मणि त्रिपाठी ने प्रतिनिधिमंडल को अनाथ शावकों के पुनर्वास, ग्राम पुनर्स्थापन तथा पर्यटन प्रबंधन गतिविधियों का फील्ड भ्रमण कराया।

मलेशियाई प्रतिनिधिमंडल के भ्रमण के पहले दिन खटिया ईको सेंटर में वन्यजीव प्रबंधन, संरक्षण रणनीतियों, मानव-वन्यजीव सह-अस्तित्व और आधुनिक प्रबंधन पद्धतियों पर विस्तृत चर्चा सत्र आयोजित किया गया। चर्चा सत्र में अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक डॉ. एच.एस. नेगी, एपीसीसीएफ श्री एल. कृष्णमूर्ति, फील्ड डायरेक्टर श्री रवीन्द्र मणि त्रिपाठी, डिप्टी डायरेक्टर सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। विशेषज्ञों द्वारा कान्हा टाइगर रिजर्व की श्रेष्ठ कार्यप्रणालियों एवं सफल संरक्षण मॉडलों पर प्रस्तुतियाँ दी गई।

सेवा सदन के 40 वर्ष पूर्ण होने पर 105 दृष्टि मित्रों का सम्मान

भोपाल। श्रद्धेय संत संत सिद्ध भाऊजी ने कहा है कि परमहंस संत हिरदाराम साहिब जी द्वारा स्थापित शिक्षा और स्वास्थ्य की संस्थाएं पैसा कमाने के लिये नहीं हैं। इन संस्थाओं का संचालन और वित्त पोषण सेवादारों की सेवाओं और दानदाताओं से मिले दान से होता है। उन्होंने कहा है कि दृष्टि मित्रों ने अपने अपने क्षेत्रों में नेत्र रोगियों की जो सेवा की है, उसीके फलस्वरूप उनके जीवन में सुख, समृद्धि और स्वास्थ्य बढ़ेगा। संत सिद्ध भाऊजी ने यह बात आज यहां नवनिर्मित सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय में आयोजित दृष्टि मित्रों के सम्मान समारोह में कही। कार्यक्रम में संत सिद्ध भाऊजी, दानदाता दादा कान.एच. लखानी उनके परिवारजन, ट्रस्टीगण ने भोपाल, सीहोर, रायसेन, विदिशा, नर्मदापुरम्, हरदा, आगर मालवा, शाजापुर, देवास, राजगढ, छिन्दवाड़ा और बैतूल जिलों के 105 दृष्टि मित्रों को शॉल श्रीफल और प्रतीक चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि दृष्टि मित्रों की सहायता के बगैर सेवा सदन भी इतनी बड़ी संख्या में नेत्र रोगियों की मदद नहीं कर पाता। परमहंस संत हिरदाराम साहिब जी कहते थे कि सेवा करने से मनुष्य के जीवन में सेवा और अधिक बढ़ती है। सर्वहारा की सेवा ही प्रभु की सेवा है। श्रद्धेय संत सिद्ध भाऊजी ने कहा कि यहां किये गये सभी नेत्र ऑपरेशन सफल हुए हैं। कार्यक्रम में ट्रस्टीगण महेश दयारामानी, हीरो ज्ञानचंदानी, रमेश राजानी, ए.सी. साधवानी, तुलसी आडवानी, भगवान दामानी, राजकुमार मूलचंदानी, समाज सेवी भगवान बाबानी, के.एल. लोहाना, थावरदास वरलानी और हीरो केसवानी, अस्पताल निदेशक कुशल धर्मानी, प्रशासक अनुषा तिवारी, कार्यक्रम प्रबंधक मनोज धवाड़िया उपस्थित थे।

निर्माणाधीन विकास कार्यों के पूर्ण होने से जिले के विकास की बढ़ेगी रफ्तारः उप मुख्यमंत्री शुक्ल

शहडोल जिला विकास सलाहकार समिति की बैठक हुई

भोपाल। उप मुख्यमंत्री एवं शहडोल जिले के प्रभारी मंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि जिले में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित निर्माणाधीन विकास कार्यों में तेजी लाकर उन्हें समय-सीमा में पूर्ण किया जाए। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा स्वीकृत विकास कार्यों को जमीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से क्रियान्वित करना अत्यंत आवश्यक है। विकास कार्यों के पूर्ण होने से शहडोल जिले के विकास को नई गति मिलेगी। उक्त निर्देश उप मुख्यमंत्री एवं शहडोल जिले के प्रभारी मंत्री श्री शुक्ल ने सर्किट हाउस बाणसागर में आयोजित जिला विकास सलाहकार समिति की बैठक में विभागीय अधिकारियों को दिए।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने शहडोल- उमरिया मार्ग, ब्यौहारी के विजयसोता पूल निर्माण में अपेक्षित प्रगति नहीं होने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि शहडोल- उमरिया मार्ग, ब्यौहारी के विजयसोता पूल, भन्नी सिंचाई परियोजना जैसे अन्य महत्वपूर्ण विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा कलेक्टर समय-सीमा की बैठक में अनिवार्य रूप से करें एवं जल्द से जल्द पूर्ण कर आमजन को उन सुविधाओं का लाभ दिलाए। उन्होंने कहा कि स्वीकृत विकास कार्यों को जमीनी स्तर पर कार्य करने की अत्यंत आवश्यकता है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने स्वास्थ्य विभाग की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय में निर्माणाधीन नर्सिंग कॉलेज एवं शहडोल जिले में निर्माणाधीन हेल्थ सेंटरो को यथाशीघ्र पूर्ण कर जनप्रतिनिधियों द्वारा शुभारंभ कराना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए की शहडोल जिले में संचालित शासकीय विद्यालय जो जर्जर हैं उन्हें सूचीबद्ध कर उनका मरम्मत कराना सुनिश्चित करें। श्री शुक्ल ने जनहित को दृष्टिगत रखते हुए जनपद पंचायत कार्यालय ब्यौहारी के सामने संचालित शराब की दुकान हटाने के निर्देश कलेक्टर को दिए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने बैठक में मेडिकल कॉलेज में रिक्त पदों की भर्ती प्रक्रिया, भू अर्जन कार्य में प्रगति, टेटका - शहडोल मार्ग की प्रगति, जयसिंहनगर बाईपास, ब्यौहारी - सपटा मार्ग, जल जीवन मिशन के कार्य, प्रगतिरत कटनी से सिंगरौली डबल रेलवे लाइन के कार्य सहित अन्य विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। बैठक में सांसद संसदीय क्षेत्र सीधी डॉ.राजेश मिश्रा, विधायक जयसिंह मरावी, शरद कोल, मनीषा सिंह, कलेक्टर डॉ.केदार सिंह, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शवम प्रजापति सहित अन्य जन प्रतिनिधि, अधिकारी एवं जिला विकास सलाहकार समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

संपादकीय

चुनाव के बाद झटका या वैश्विक असर? गैस-डीजल की कीमतों में तेजी से फिर बढ़ी महंगाई

पिछले करीब दो महीने से पश्चिम एशिया में संघर्ष के बीच वैश्विक स्तर पर जिस तरह की परिस्थितियां पैदा हुई हैं, उसमें रोजमर्रा की जरूरत की चीजों की आपूर्ति बाधित होने के साथ ही महंगाई की रफ्तार भी तेज हुई है। ऐसे में भारत में भी महंगाई के बेलगाम होने की आशंका पहले से जताई जा रही थी। मगर ऐसा लगता है कि पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव के मद्देनजर ही सरकार ने जरूरी चीजों की कीमतों की लगाम को थाम के रखा हुआ था। गौरतलब है कि शुक्रवार को खाना पकाने के वाणिज्यिक गैस सिलेंडर की कीमत में नौ सौ तिरानबे रुपए की भारी बढ़ोतरी कर दी गई। वहीं चूंकि सामान्य घरेलू गैस सिलेंडर की आपूर्ति बाधित है, इसलिए पांच किलो गैस वाले छोटे सिलेंडर उपलब्ध तो कराए जा रहे हैं, लेकिन उसकी कीमत में भी दो सौ इकसठ रुपए की बढ़ोतरी कर दी गई और अब इसके लिए उपभोक्ताओं को आठ सौ दस रुपए पचास पैसे देने होंगे। इसके अलावा, विमान ईंधन और थोक डीजल के मूल्य में भी वृद्धि की गई है। कहने को ताजा बढ़ोतरी का असर आबादी के एक छोटे हिस्से पर पड़ने की बात कही जा रही है, लेकिन इतना तय है कि इसका दायरा बड़ा होने वाला है। मसलन, केवल वाणिज्यिक गैस सिलेंडर को ही देखें, तो इसकी कीमत अब तीन हजार रुपए से भी ज्यादा हो गई है। जाहिर है, होटल, ढाबे या खाना पकाने का व्यवसाय करने वाले लोग अगर इसका उपयोग करेंगे, तो सीधे-सीधे इसका असर खाने-पीने की चीजों की कीमतों और लोगों की थाली पर पड़ेगा। संभव है कि कम आय वाले लोगों के व्यवसाय पर भी इसका विपरीत असर पड़े। फिर इस बात की क्या गारंटी है कि जिन कारणों से वाणिज्यिक गैस सिलेंडर के दाम में इजाफा करने को उचित ठहराया जा रहा है, उसी तरह के दूसरे कारण से आने वाले दिनों में घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत नहीं बढ़ाई जाएगी। आखिर छोटे सिलेंडर की कीमत में खासी बढ़ोतरी कर ही दी गई है, जिसका उपयोग आमतौर पर प्रवासी मजदूर से लेकर आर्थिक रूप से कमजोर तबके के लोग करते हैं। इसी तरह, अब यह कहना मुश्किल है कि विमान ईंधन और थोक डीजल के मूल्यों में वृद्धि केवल यहीं तक रुक जाएगी। अभी से आम उपयोग वाले पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी की आशंका जताई जाने लगी है। जाहिर है, एक ऐसा दौर शुरू हो चुका है, जिसमें महंगाई का दुश्चक्र आने वाले दिनों में और ज्यादा जटिल होता दिख रहा है। खासतौर पर डीजल की कीमतों में इजाफे के बाद ढुलाई का खर्च बढ़ेगा और इसके बाद चौतरफा महंगाई की मार सबके लिए एक बड़ी चुनौती बन सकती है। वैश्विक स्तर पर पसरी अस्थिरता की वजह से अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर हाल के दिनों में जो सुस्ती देखी जा रही है, बाजार भी तेज उतार-चढ़ाव से गुजर रहा है, उसमें एक बड़ी आबादी रोजी-रोजगार के सवालों से जूझ रही है। लगातार घटती क्रयशक्ति के दौर में महंगाई की मार का असर कितना गहरा हो सकता है, इसका बस अंदाजा ही लगाया जा सकता है। सवाल है कि अगर पश्चिम एशिया में युद्ध की वजह से उपजे संकट के बावजूद सरकार ने करीब दो महीने तक तेल और गैस की कीमतों को कमोबेश थाम कर रखा था और इनकी उपलब्धता के वैकल्पिक रास्ते निकाल रही थी, तो अचानक ही उसे महंगाई को इस तरह खुला छोड़ देने की जरूरत क्यों पड़ी! क्या कुछ दिनों की राहत का कारण पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव थे?

चुनाव परिणामों ने दिखाया नया राजनीतिक ट्रेंड, हिंदू भाजपा के साथ, मुस्लिम कांग्रेस की ओर!

-नीरज कुमार दुबे

पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरलम, असम और पुडुचेरी में संपन्न विधानसभा चुनावों के नतीजों ने कांग्रेस और उसके सहयोगियों के लिए मिला जुला चित्र प्रस्तुत किया है। कुछ राज्यों में पार्टी को निराशा हाथ लगी, जबकि कुछ क्षेत्रों में उसे उल्लेखनीय सफलता भी मिली। इन चुनावों का एक महत्वपूर्ण पक्ष मुस्लिम उम्मीदवारों का प्रदर्शन रहा, जिसने कई राज्यों में राजनीतिक समीकरणों को नई दिशा दी है। खास तौर पर असम और केरलम में कांग्रेस तथा उसके सहयोगी दलों के मुस्लिम प्रत्याशियों ने प्रभावशाली जीत दर्ज कर यह संकेत दिया है कि इन इलाकों में मुस्लिम मतदाताओं का भरोसा अभी भी इस गठबंधन के साथ बना हुआ है।

केरलम में कांग्रेस के नेतृत्व वाले संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा ने दस वर्षों के लंबे अंतराल के बाद सत्ता में वापसी की। राज्य में चुने गए 35 मुस्लिम विधायकों में से 30 संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा से संबंधित हैं। इनमें कांग्रेस के आठ और इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग के 22 विधायक शामिल हैं। यह परिणाम बताता है कि राज्य में मुस्लिम मतदाताओं ने संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा पर व्यापक भरोसा जताया। इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग की उम्मीदवार फातिमा तहलिया की जीत विशेष रूप से चर्चा में रही। उन्होंने कोझिकोड जिले की पेराम्ब्रा सीट पर माकपा नेता टीपी रामकृष्णन को पांच हजार से अधिक मतों से हराया। इस जीत के साथ वह पार्टी की पहली मुस्लिम महिला विधायक बन गईं। उनकी सफलता को मुस्लिम महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।

असम में कांग्रेस के मुस्लिम उम्मीदवारों का प्रदर्शन और भी अधिक प्रभावशाली रहा। पार्टी ने राज्य में 20 मुस्लिम उम्मीदवार उतारे थे, जिनमें से 18 ने जीत दर्ज की। इसके विपरीत कांग्रेस के अधिकांश गैर मुस्लिम उम्मीदवार हार गए और केवल एक गैर मुस्लिम प्रत्याशी को सफलता मिली। कांग्रेस ने कुल 101 सीटों पर उम्मीदवार उतारे थे, जिससे यह स्पष्ट होता है कि मुस्लिम उम्मीदवारों की सफलता दर अत्यंत ऊंची रही। कांग्रेस के सहयोगी रायजोर दल को भी दो सीटों पर जीत मिली, जिनमें एक मुस्लिम उम्मीदवार की थी, जबकि दूसरी सीट अखिल गोगोई ने जीती। अखिल गोगोई पर राष्ट्रीय जांच एजेंसी द्वारा माओवादी गतिविधियों से जुड़े आरोपों की जांच चल रही है।

असम में कई सीटों पर कांग्रेस उम्मीदवारों ने भारी अंतर से जीत दर्ज की। गौरिपुर सीट पर कांग्रेस के अब्दुल सोबहान अली सरकार ने भाजपा समर्थित उम्मीदवार निजानुर रहमान को 19097 मतों से हराया। जलेश्वर सीट पर कांग्रेस के आफताब मोल्ला ने एआईयूडीएफ नेता शेख आलम को 109688 मतों के भारी अंतर से पराजित किया। समागुरी में तंजिल हुसैन ने भाजपा के अनिल सैकिया को 108310 मतों से हराया। इसके अलावा अलगापुर कटलीछड़ा जैसी सीटों पर भी कांग्रेस उम्मीदवारों की जीत का अंतर एक लाख से अधिक रहा। इन परिणामों ने यह संकेत दिया कि असम के कई क्षेत्रों में मुस्लिम मतदाता कांग्रेस के पक्ष में मजबूती से एकजुट हुए।

हालांकि असम में कांग्रेस की इस सफलता के बावजूद एआईयूडीएफ प्रमुख मौलाना बदरुद्दीन अजमल ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने एआईयूडीएफ को खत्म करने की कोशिश की, लेकिन अब स्वयं समाप्त हो गई है। अजमल ने यह भी कहा कि कांग्रेस अब मुस्लिम लीग बन गई है और यह स्थिति उन्हें दुखी करती है। उनका यह बयान असम की राजनीति में मुस्लिम मतों को लेकर चल रही प्रतिस्पर्धा को दर्शाता है। हम आपको यह भी याद दिला दें कि चुनाव प्रचार के दौरान असम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए उसे माओवादी मुस्लिम लीग कांग्रेस करार दिया था। आखिरकार उनकी बात सही साबित हुई।

वहीं पश्चिम बंगाल में कांग्रेस को केवल दो सीटों पर जीत मिली, लेकिन दोनों सीटें मुस्लिम बहुल क्षेत्रों से थीं। पार्टी ने तृणमूल कांग्रेस की तुलना में अधिक मुस्लिम उम्मीदवार उतारे थे। वहीं तमिलनाडु में कांग्रेस ने दो मुस्लिम उम्मीदवार मैदान में उतारे, जिनमें से एक को जीत मिली। इन परिणामों से यह स्पष्ट होता है कि कांग्रेस ने कई राज्यों में मुस्लिम समुदाय को साधने की रणनीति अपनाई थी और कुछ स्थानों पर उसे इसका लाभ भी मिला। मत प्रतिशत के आंकड़े भी इन चुनावों की राजनीतिक दिशा को स्पष्ट करते हैं। असम में भाजपा को 37.81 प्रतिशत मत मिले, जबकि कांग्रेस को 29.84 प्रतिशत मत प्राप्त हुए। दूसरी ओर केरलम में कांग्रेस और इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग को मिलाकर कुल 39.80 प्रतिशत मत मिले। इससे यह स्पष्ट होता है कि केरलम में संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा को व्यापक जनसमर्थन प्राप्त हुआ।

संजय राउत ने डोनाल्ड ट्रंप को पत्र में जो कुछ लिखा है उससे विपक्षी नेताओं की देशभक्ति पर सवाल उठ गया है

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद विपक्षी गठबंधन के कई नेताओं की प्रतिक्रियाएं अब केवल राजनीतिक असहमति तक सीमित नहीं रह गई हैं, बल्कि वह भारत की लोकतांत्रिक संस्थाओं और संवैधानिक व्यवस्था पर सीधे सवाल खड़े करती दिखाई दे रही हैं। शिवसेना यूबीटी के नेता संजय राउत द्वारा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को पत्र लिखना और ममता बनर्जी द्वारा अंतरराष्ट्रीय अदालत जाने की चेतावनी देना इसी प्रवृत्ति का ताजा उदाहरण है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या देश के आंतरिक मामलों को विदेशी शक्तियों और वैश्विक मंचों तक ले जाना लोकतंत्र की रक्षा है या फिर भारत की छवि को नुकसान पहुंचाने का प्रयास?

हम आपको बता दें कि शिवसेना यूबीटी सांसद संजय राउत ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को लिखे अपने पत्र में पश्चिम बंगाल चुनावों को भय, दबाव और कथित धांधली से प्रभावित बताया। उन्होंने चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाए और केंद्रीय बलों की तैनाती को लेकर भी आरोप लगाए। हैरानी की बात यह है कि यह सब उस समय कहा जा रहा है जब भारत का चुनाव आयोग विश्व की सबसे विश्वसनीय और विशाल चुनावी संस्थाओं में गिना जाता है। यदि किसी दल को चुनाव परिणाम स्वीकार नहीं हैं, तो उसके लिए न्यायपालिका, जन आंदोलन और संवैधानिक प्रक्रियाएं मौजूद हैं। फिर विदेशी राष्ट्रपति को पत्र लिखने की आवश्यकता क्यों पड़ी?

क्या भारत इतना कमजोर लोकतंत्र है कि यहां के चुनावों का फैसला विदेशी नेताओं की राय से तय होगा? क्या विपक्ष यह संदेश देना चाहता है कि भारत की संवैधानिक संस्थाओं पर उसे भरोसा नहीं है? यदि हर हार के बाद अंतरराष्ट्रीय मंचों पर जाकर देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था को कठघरे में खड़ा किया जाएगा, तो इससे दुनिया में भारत की छवि पर क्या असर पड़ेगा?

इस पूरे विवाद में ममता बनर्जी का बयान भी कम गंभीर नहीं है। चुनाव हारने के बाद उनका यह कहना कि वह अंतरराष्ट्रीय अदालत तक जाएंगी, कई सवाल खड़े करता है। क्या किसी राज्य के चुनावी परिणाम को लेकर संयुक्त राष्ट्र की न्यायिक संस्था में जाने की बात करना भारत की संप्रभुता पर प्रश्नचिह्न लगाने जैसा नहीं है? जब देश का संविधान, सर्वोच्च न्यायालय और चुनाव आयोग मौजूद हैं, तब विदेशी अदालतों की चर्चा क्यों?

दरअसल यह वही राजनीति है जिसमें जब तक सत्ता हाथ में रहे तब तक संस्थाएं निष्पक्ष लगती हैं, लेकिन हार मिलते ही चुनाव आयोग, सुरक्षा बल, न्यायपालिका और लोकतंत्र सब कटघरे में खड़े कर दिए जाते हैं। यह प्रवृत्ति केवल राजनीतिक असंतोष नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनता के विश्वास को कमजोर करने का प्रयास भी मानी जा सकती है।

सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि क्या विपक्षी दल अपनी राजनीतिक हार को स्वीकार करने का साहस खो चुके हैं? क्या लोकतंत्र केवल तब तक सही है जब तक परिणाम उनके पक्ष में आएं? यदि हर चुनाव के बाद विदेशी शक्तियों से हस्तक्षेप की मांग की जाएगी, तो क्या यह देश की आंतरिक संप्रभुता के खिलाफ कदम नहीं माना जाएगा? भारत का लोकतंत्र दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। यहां सत्ता परिवर्तन चुनावों के माध्यम से होता है, अदालतें स्वतंत्र हैं और मीडिया पूरी तरह सक्रिय है। ऐसे में विदेशी नेताओं और अंतरराष्ट्रीय मंचों को भारत के घरेलू राजनीतिक विवादों में घसीटना न केवल राजनीतिक अपरिपक्वता दर्शाता है, बल्कि यह देश की गरिमा को भी ठेस पहुंचाता है। राजनीतिक मतभेद लोकतंत्र का हिस्सा हैं, लेकिन देश की छवि और संस्थाओं की विश्वसनीयता से खिलवाड़ किसी भी स्थिति में उचित नहीं ठहराया जा सकता। देखा जाये तो लोकतंत्र में हार और जीत दोनों को स्वीकार करना ही सबसे बड़ी लोकतांत्रिक मर्यादा होती है। लेकिन संजय राउत जैसे लोग जोकि खुद करोड़ों के घोटाले के आरोप से जुड़े हैं और जेल काट चुके हैं, वह भारत के लोकतंत्र की शुचिता और जनमत की ईमानदारी पर सवाल उठा रहे हैं। यहां एक सवाल यह भी उठता है कि पश्चिम बंगाल में भाजपा की जीत पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दी गयी बधाई विपक्ष को इतनी चुभ क्यों रही है? साथ ही संजय राउत भारतीय लोकतंत्र को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से शिकायत कर रहे हैं, लेकिन उन्हें यह भी देखना चाहिए कि स्वयं अमेरिका में लोकतंत्र की स्थिति को लेकर कितने गंभीर सवाल उठ चुके हैं। दुनिया ने देखा कि वर्ष 2020 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में हार के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने चुनाव परिणाम स्वीकार करने से इंकार कर दिया था। चुनावी धांधली के आरोपों को लेकर उनके समर्थकों ने अमेरिकी संसद भवन कैपिटल हिल पर हमला तक कर दिया था, जिसे अमेरिकी लोकतंत्र के इतिहास का सबसे काला अध्याय माना गया। उस घटना में हिंसा हुई, कई लोग घायल हुए और पूरे विश्व ने अमेरिका की लोकतांत्रिक व्यवस्था को संकट में देखा। इतना ही नहीं, ट्रंप लगातार अमेरिकी चुनाव प्रणाली, न्याय व्यवस्था और मीडिया की निष्पक्षता पर भी सवाल उठाते रहे हैं। ऐसे में भारतीय नेताओं द्वारा अमेरिका को सर्वश्रेष्ठ लोकतंत्र का प्रमाण पत्र बांटने वाला देश मान लेना अपने आप में कई प्रश्न खड़े करता है।

इंडी में बिखराव का खतराः विपक्ष के लिए आत्ममंथन का समय

हाल के पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु सहित अन्य राज्यों के चुनाव परिणामों ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि विपक्षी एकता का दावा करने वाला गठबंधन अपने भीतर ही गंभीर संकट से गुजर रहा है। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस की पराजय और तमिलनाडु में द्रमुक की स्थिति ने विपक्षी खेमे को झकझोरने का काम किया है। यह केवल चुनावी हार नहीं है, बल्कि रणनीतिक विफलता का भी संकेत है और यह प्रश्न भी खड़ा करता है कि क्या विपक्ष केवल भाजपा-विरोध के आधार पर टिक सकता है या उसे एक ठोस वैचारिक और नीतिगत आधार की भी आवश्यकता है। भारतीय लोकतंत्र की सुदृढ़ता केवल सत्तापक्ष की नीतियों पर निर्भर नहीं करती, बल्कि एक सजग, विवेकशील और रचनात्मक विपक्ष पर भी उतनी ही आधारित होती है। विपक्ष का मूल दायित्व केवल आलोचना करना नहीं, बल्कि एक वैकल्पिक दृष्टि प्रस्तुत करना, नीतियों की खामियों को तथ्यों के आधार पर उजागर करना और जनहित के मुद्दों को प्रभावी ढंग से संसद एवं समाज के समक्ष रखना है। एक स्वस्थ लोकतंत्र में विपक्ष सरकार का विरोधी नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक संतुलन का संरक्षक होता है।

-ललित गर्ग

भारतीय लोकतंत्र में सत्ता और विपक्ष दोनों की अपनी-अपनी अनिवार्य भूमिकाएं हैं। जहां सत्ता नीतियों का निर्माण और क्रियान्वयन करती है, वहीं विपक्ष उन नीतियों की समीक्षा, संतुलन और वैकल्पिक दृष्टि प्रस्तुत करता है। लेकिन जब विपक्ष स्वयं ही असंगठित, दिशाहीन और अंतर्विरोधों से ग्रस्त हो जाए, तब लोकतांत्रिक संतुलन भी प्रभावित होता है। हाल के पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु सहित अन्य राज्यों के चुनाव परिणामों ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि विपक्षी एकता का दावा करने वाला गठबंधन अपने भीतर ही गंभीर संकट से गुजर रहा है। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस की पराजय और तमिलनाडु में द्रमुक की स्थिति ने विपक्षी खेमे को झकझोरने का काम किया है। यह केवल चुनावी हार नहीं है, बल्कि रणनीतिक विफलता का भी संकेत है और यह प्रश्न भी खड़ा करता है कि क्या विपक्ष केवल भाजपा-विरोध के आधार पर टिक सकता है या उसे एक ठोस वैचारिक और नीतिगत आधार की भी आवश्यकता है। भारतीय लोकतंत्र की सुदृढ़ता केवल सत्तापक्ष की नीतियों पर निर्भर नहीं करती, बल्कि एक सजग, विवेकशील और रचनात्मक विपक्ष पर भी उतनी ही आधारित होती है। विपक्ष का मूल दायित्व केवल आलोचना करना नहीं, बल्कि एक वैकल्पिक दृष्टि प्रस्तुत करना, नीतियों की खामियों को तथ्यों के आधार पर उजागर करना और जनहित के मुद्दों को प्रभावी ढंग से संसद एवं समाज के समक्ष रखना है। एक स्वस्थ लोकतंत्र में विपक्ष सरकार का विरोधी नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक संतुलन का संरक्षक होता है। उसे विकास कार्यों में सहयोग करते हुए यह सुनिश्चित करना चाहिए कि शासन पारदर्शी, जवाबदेह और जनोन्मुखी बना रहे। दुर्भाग्यवश, पिछले दो दशकों में विपक्ष का एक बड़ा वर्ग इस रचनात्मक भूमिका से भटकता दिखाई दिया है, जहां नीतिगत बहसों की जगह व्यक्तिगत आरोप-प्रत्यारोप और राजनीतिक शोर-शराबा अधिक प्रमुख हो गया है।

इंडिया गठबंधन का गठन एक बड़े राजनीतिक उद्देश्य के साथ हुआ था- भाजपा के वर्चस्व को चुनौती देना। प्रारंभिक स्तर पर यह प्रयास कुछ हद तक सफल भी दिखाई दिया, जब इस गठबंधन ने भाजपा को पूर्ण बहुमत से दूर रखने में भूमिका निभाई, लेकिन समय के साथ यह स्पष्ट होता गया कि यह गठबंधन वैचारिक एकता से अधिक राजनीतिक अवसरवाद पर आधारित है। गठबंधन की सबसे बड़ी कमजोरी उसका आंतरिक समन्वय है, जहां विभिन्न दलों के अपने-अपने क्षेत्रीय हित, नेतृत्व की महत्वाकांक्षाएं और अलग-अलग राजनीतिक एजेंडे अक्सर एक-दूसरे से टकराते हैं। सीट बंटवारे से लेकर नेतृत्व के प्रश्न तक, हर स्तर पर मतभेद सामने आते रहे हैं, जिससे यह स्थिति बनती है कि केवल एक साझा विरोध के आधार पर गठबंधन को स्थायी नहीं बनाया जा सकता। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और शिवसेना (यूबीटी) की नेता प्रियंका चतुर्वेदी जैसे प्रमुख चेहरों के बीच जिस तरह की बयानबाजी सामने आई है, वह गठबंधन की आंतरिक स्थिति को और अधिक उजागर करती है। सार्वजनिक मंचों पर एक-दूसरे की आलोचना करना न केवल राजनीतिक परिपक्वता की कमी को दर्शाता है, बल्कि कार्यकर्ताओं और मतदाताओं के बीच भी भ्रम की स्थिति पैदा करता है। राजनीति में मतभेद स्वाभाविक हैं, लेकिन उन्हें व्यक्त करने का तरीका और मंच भी उतना ही महत्वपूर्ण होता है, क्योंकि जब गठबंधन के नेता ही एक-दूसरे के खिलाफ बयान देने लगें, तो यह संदेश जाता है कि गठबंधन केवल नाम का है और वास्तविकता में वह बिखराव की ओर बढ़ रहा है।

महिला आरक्षण विधेयक पर विपक्ष का रुख भी उसकी रणनीतिक कमजोरी को उजागर करता है। यह विधेयक भारतीय समाज की आधी आबादी से जुड़ा एक अत्यंत महत्वपूर्ण विषय था, लेकिन इसका विरोध जिस रूप में सामने आया, उसने विपक्ष की स्थिति को कमजोर किया। विरोध करना लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन उसका स्वरूप रचनात्मक होना चाहिए था। यदि विपक्ष इस विधेयक में सुधार के सुझाव देता, उसके क्रियान्वयन की समय-सीमा और प्रक्रिया पर सवाल उठाता, तो वह अधिक प्रभावी और विश्वसनीय बन सकता था, लेकिन सीधे विरोध में खड़ा होना, वह भी बिना स्पष्ट जनसंदेश के यह दर्शाता है कि विपक्ष मुद्दों को समझने और उन्हें सही तरीके से प्रस्तुत करने में चूक कर रहा है। इसका प्रभाव विशेष रूप से महिला मतदाताओं पर पड़ा, जिन्होंने इसे अपने अधिकारों के विस्तार के रूप में देखा और इसी का राजनीतिक लाभ भाजपा ने अपनी रणनीति के माध्यम से उठाया। भारतीय जनता पार्टी की सबसे बड़ी ताकत उसकी आत्मसमीक्षा और सुधार की क्षमता रही है। हार के बाद भी वह अपने संगठन, नेतृत्व और रणनीति में बदलाव करती है, जिससे वह और अधिक मजबूत होकर सामने आती है। इसके विपरीत, विपक्ष अक्सर अपनी हार के कारणों को बाहरी परिस्थितियों में खोजता है, जिससे वह अपनी कमजोरियों को पहचानने और उन्हें दूर करने में असफल रहता है।

किन लोगों के लिए गोंद कतीरा नुकसानदायक है

क्या है गोंद कतीरा खाने का सही तरीका?

गर्मी में ठंडक देने वाला गोंद कतीरा सेहत के लिए हर किसी के लिए फायदेमंद नहीं है, खासकर पीरियड्स, लो ब्लड प्रेशर और आईबीएस से पीड़ित लोगों को इसके सेवन से बचना चाहिए क्योंकि इसकी ठंडी तासीर उनकी समस्याएं बढ़ा सकती है।

धीरे-धीरे तापमान बढ़ रहा है। भीषण गर्मी और लू से बचने को लिए लोग आयुर्वेद या फिर दादी-नानी के नुस्खों को जरुर अपनाते हैं। इन्हीं में से एक है गोंद कतीरा, जो अपनी कूलिंग प्रॉपर्टीज के लिए जाना जाता है। कई लोग गर्मियों में गोंद कातीरा का सेवन करते हैं लेकिन यह सबके लिए फायदेमंद नहीं है। आइए आपको बताते हैं गोंद कतीरा किन लोगों के लिए नुकसानदायक होता है। आइए आपको गोंद कतीरा खाना सेहत पर भारी पड़ सकता है।

पीरियड्स के दौरान

पीरियड्स के समय महिलाओं को गोंद कतीरा का सेवन करने से परहेज करना चाहिए, खासकर अगर उन्हें पहले से ही ज्यादा दर्द या ऐंठन की समस्या रहती हो। इसकी प्रकृति अत्यधिक ठंडी मानी जाती है, जो शरीर का तापमान जरूरत से ज्यादा कम कर सकती है। ऐसे में पेट दर्द, क्रैम्प्स या ब्लीडिंग से जुड़ी परेशानियां और बढ़ सकती हैं।

लो ब्लड प्रेशर की समस्या

जिन लोगों का ब्लड प्रेशर अक्सर कम रहता है, उन्हें गोंद कतीरा का सेवन सोच-समझकर करना चाहिए। इसकी ठंडी तासीर के कारण लो बीपी वालों को आलस, चक्कर या अधिक कमजोरी जैसी समस्याएं महसूस हो सकती हैं।

आईबीएस और ब्लोटिंग

भले ही यह कब्ज से राहत देने में मदद करता है, लेकिन अगर आपको अक्सर पेट फूलने या इरिटेबल बॉवेल सिंड्रोम की समस्या रहती है, तो इसका सेवन आपके लिए दिक्कत बढ़ा सकता है। कुछ स्थितियों में यह पाचन बेहतर करने की बजाय पेट में गैस, भारीपन या असहजता पैदा कर सकता है।

– गोंद कतीरा को कभी भी सूखा नहीं खाना चाहिए। इसे रात भर या कम से कम 7-8 घंटे पानी में भिगोकर रखें जब तक कि यह फूलकर क्रिस्टल जेली जैसा न हो जाए।

– जब आप इसका सेवन करें तो दिनभर खूब पानी पिए, क्योंकि यह फाइबर सोखता है। पानी कम पीने पर यह आंतों में फंसकर कब्ज पैदा कर सकता है।

– दिन में एक बार 1 से 2 चम्मच भीगा हुआ गोंद कतीरा काफी है।

भीषण गर्मी में शरीर को ठंडक पहुंचाएगी खीरे की लस्सी, पीते ही गला हो जाएगा तर, फटाफट नोट कर लें रेसिपी

बढ़ता तापमान लोगों को परेशान करने लगा है। इस भीषण गर्मी में शरीर को ठंडा रखने और बॉडी हाइड्रेट बनाए रखने के लिए खीरे की लस्सी बनाकर पीएं। खीरे की लस्सी पीते ही आपरा गला तर हो जाएगा और पेट को ठंडक मिलेगी। फटाफट नोट कर लें रेसिपी। दिन के वक्त घर से बाहर निकलने पर सूरज की रोशनी चुभने लगी है। जरा देर धूप में निकलते ही शरीर पसीने से तरबतर हो जाता है। ऐसे में खुद को हाइड्रेट रखना बहुत जरूरी है। ज्यादा से ज्यादा पानी पीएं और डाइट में पानी से भरपूर खीरा और छाछ जैसी चीजों को शामिल करें। कुछ ठंडा और टेस्टी पीना है तो इसके लिए खीरे की लस्सी बना सकते हैं। खीरे की लस्सी बहुत टेस्टी और शरीर को ठंडा रखने वाली ड्रिंक है। इसमें खीरा के अलावा थोड़ा अदरक, हरा धनिया और कुछ मसाले मिलाकर लस्सी तैयार की जा सकती है। गर्मियों में प्यास बुझाने के लिए खीरे की लस्सी परफेक्ट है। फटाफट नोट कर लें खीरे की लस्सी बनाने की रेसिपी।

खीरे की लस्सी रेसिपी – पहला स्टेप– लस्सी बनाने के लिए आप दही लें, ठंडा करने के लिए आधाकप बर्फ के टुकड़े, स्वादानुसार काला नमक, 1 बड़ा चम्मच कटा अदरक, 1 खीरा और थोड़ा हरा धनिया पत्ती ले लें। ताजा कुटी काली मिर्च भी मिला सकते हैं। लस्सी बाने के लिए मिक्सी या ब्लैंडर का इस्तेमाल करें।

दूसरा स्टेप– सबसे पहले सारी चीजों को अच्छी तरह से धो लें। अब इन्हें टुकड़ों में काट लें और ब्लेंडर में डाल दें। अब मिक्सी या ब्लैंडर में हंग कर्ड डालें और बर्फ डालकर अच्छी तरह 2-3 बार चलाएं। दही जब अच्छी तरह से मिक्स हो जाए तो इसमें कटा खीरा, हरा धनिया, अदरक और मसाले डालकर ब्लैंड कर लें।

तीसरा स्टेप– तैयार है एकदम ठंडी और घर पर बनी स्वादिष्ट खारी लस्सी, इसे आप सुबह पी सकते हैं या खाने के साथ भी ले सकते हैं। धूप में निकलने से पहले 1 गिलास खीरा लस्सी पीने से लू लगने से बचा जा सकता है। इससे शरीर में पानी की कमी नहीं होगी।

खीरा लस्सी के फायदे – लस्सी को दही से तैयार किया जाता है और दही पेट के लिए प्रोबायोटिक का काम करती है। दही में प्रोटीन, कैल्शियम और विटामिन बी12 के अलावा एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो शरीर की इम्यूनिटी स्ट्रांग करते हैं। खीरा और दही साथ में मिलकर सुपरकूल इफेक्ट देते हैं। खीरा की तासीर ठंडी होती है जो गर्मी से बचाता है और शरीर को हाइट्रेडेट रखता है। खीरा लस्सी पीने से जल्दी भूख भी नहीं लगती और इससे वजन कम होता है। इससे गर्मी का असर कम होता है।

गेहूं की रोटी को बनाएं प्रोटीन का पावरहाउस, बस आटे में मिलाएं ये खास चीजें और देखें सेहत में कमाल

रोजाना खाई जाने वाली गेहूं की रोटी को थोड़ा सा बदलाव करके आप इसे प्रोटीन का पावरहाउस बना सकते हैं। आटे में कुछ पौष्टिक चीजें मिलाने से स्वाद और सेहत दोनों का ख्याल रखा जा सकता है।

भारतीय घरों में खाने की प्लेट में आपको कई तरह की स्वादिष्ट चीजें देखने को मिलेंगी। लेकिन प्लेट में रोटी का होना एक जरूरी हिस्सा माना जाता है। उत्तर से दक्षिण तक और पूर्व से पश्चिम तक गेंहू की रोटी लगभग हर थाली की पहचान है। हालांकि केवल गेहूं की रोटी शरीर की सभी पोषण संबंधी जरूरतों को पूरा करने में पर्याप्त नहीं होती है। ऐसे में आप इसे प्रोटीन का पावरहाउस बना सकते हैं।

अगर आप अपने दैनिक आहार में थोड़ा सा बदलाव करें तो वही साधारण रोटी आपके शरीर के लिए कहीं अधिक फायदेमंद और पौष्टिक साबित हो सकती है। इसके लिए सबसे सरल और प्रभावी तरीका है आटे में अलग-अलग तरह के पोषक तत्वों और अन्य अनाजों का मिश्रण करना। इससे न केवल रोटी का स्वाद बेहतर होता है बल्कि उसका पोषण स्तर भी कई गुना बढ़ जाता है।

प्रोटीन बढ़ाने के लिए मिलाएं ये खास आटे

आटे की पौष्टिकता बढ़ाने के लिए सोयाबीन का आटा एक बेहतरीन विकल्प माना जाता है। सोयाबीन प्रोटीन का एक समृद्ध स्रोत है और जब इसे थोड़ी मात्रा में गेहूं के आटे के साथ मिलाया जाता है तो यह रोटी के समग्र अमीनो एसिड प्रोफाइल को बेहतर बनाता है। इसी तरह चने का आटा यानी बेसन भी प्रोटीन से भरपूर होता है। इसमें मौजूद पोषक तत्व शरीर को तत्काल ऊर्जा और ताकत प्रदान करते हैं।

वहीं रागी का आटा भी काफी लोकप्रिय हो रहा है। रागी में प्रोटीन के साथ-साथ प्रचुर मात्रा में कैल्शियम और आयरन पाया जाता है जो हड्डियों की मजबूती और शरीर में रक्त के स्तर को बनाए रखने के लिए अनिवार्य है। इसके अलावा जो लोग सुपरफूड के शौकीन हैं उनके लिए किनुआ का आटा एक बेहतरीन विकल्प है। किनुआ में वे सभी जरूरी अमीनो अम्ल पाए जाते हैं जो शरीर के समुचित विकास के लिए आवश्यक होते हैं।

बीज और मेवों का जादू

सिर्फ अनाज ही नहीं बल्कि विभिन्न प्रकार के बीज और मेवे भी रोटी को सुपर-रोटी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। चिया बीज, अलसी और कद्दू के बीजों को पीसकर आटे में मिलाने से रोटी में प्रोटीन के साथ-साथ ओमेगा-3 फैटी एसिड, फाइबर और स्वस्थ वसा की मात्रा बढ़ जाती है। यह मिश्रण न केवल हृदय स्वास्थ्य के लिए अच्छा है बल्कि पाचन तंत्र को दुरुस्त रखने में भी मदद करता है।

बादाम और मूंगफली जैसे मेवों का पाउडर भी मांसपेशियों को मजबूती प्रदान करने और शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में सहायक होता है। वैज्ञानिक शोधों से यह स्पष्ट हुआ है कि इन तत्वों का नियमित सेवन शरीर को बीमारियों से लड़ने की शक्ति देता है।

अन्य विकल्पों का उपयोग

प्रोटीन बढ़ाने का एक और पारंपरिक तरीका दालों का इस्तेमाल है। मूंग दाल, चना दाल या उड़द दाल को हल्का भूनकर उसका पाउडर तैयार कर लें और इसे आटे में मिलाएं। इससे रोटी का स्वाद सोंधा हो जाता है और प्रोटीन की मात्रा काफी बढ़ जाती है। इसके अलावा, आप पनीर, दाल, या अंकुरित अनाज भरकर पराठे भी बना सकते हैं जो स्वाद और सेहत का एक बेहतरीन तालमेल पेश करते हैं।

मक्खन की तरह पिघलेगी जिद्दी चर्बी!

बस जान लें जीरा पानी पीने का ये सही तरीका और समय

वजन कम करने के लिए लोग कई उपाय अपनाते हैं लेकिन जीरा पानी एक आसान और असरदार घरेलू उपाय माना जाता है। सही तरीके और सही समय पर इसका सेवन करने से मेटाबॉलिज्म बेहतर होता है।

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में फिट रहने के लिए लोग घरेलू नुस्खों पर काफी भरोसा कर रहे हैं। बॉलीवुड सेलेब्रिटीज से लेकर फिटनेस फ्रीक्स तक हर कोई सुबह की शुरुआत डिटॉक्स ड्रिंक्स जैसे जीरा पानी, अजवाइन या सौंफ के पानी से करता है। इनमें जीरा पानी सबसे अधिक लोकप्रिय है जिसे पेट की चर्बी कम करने और मेटाबॉलिज्म सुधारने का रामबाण इलाज माना जाता है।

हालांकि आयुर्वेद के अनुसार किसी भी औषधि का लाभ तभी मिलता है जब उसे सही विधि और सही समय पर लिया जाए। जीरा पानी के मामले में अक्सर लोग अनजाने में ऐसी गलतियां कर बैठते हैं जिससे उन्हें फायदे के बजाय नुकसान उठाना पड़ सकता है।

आयुर्वेद के अनुसार जीरा पेट की रुकी हुई पाचन शक्ति को दोबारा जगाने का काम करता है। जिससे भूख अच्छी लगती है और शरीर से टॉक्सिन्स भी बाहर निकल जाते हैं। लेकिन जल्दी वजन कम करने के चक्कर में अगर आप बहुत ज्यादा जीरा पानी पी लेते हैं या दिनभर इसे पीते हैं तो दिक्कत हो सकती है।

जीरा पानी पीने का सही तरीका

जीरा पानी बनाने का सबसे प्रभावी तरीका यह है कि एक चम्मच जीरा रात भर एक गिलास पानी में भिगोकर रखें। सुबह इस पानी को तब तक उबालें जब तक यह आधा न रह जाए या इसका रंग पूरी तरह बदल न जाए। पानी को कभी भी खौलता हुआ या एकदम गर्म न पिएं। इसे हमेशा गुनगुना होने पर ही पिएं। बहुत अधिक गर्म पानी पेट में पित्त बढ़ा सकता है और कब्ज या जलन की समस्या पैदा कर सकता है।

सेवन का सही समय और तरीका

जीरा पानी का सर्वोत्तम लाभ सुबह खाली पेट मिलता है। इसे हमेशा बैठकर और घूंट-घूंट करके पीना चाहिए। यदि आप सुबह खाली पेट इसका सेवन नहीं कर पा रहे हैं तो भोजन के 40 मिनट बाद इसे लिया जा सकता है। घूंट-घूंट करके पीने से यह लार के साथ मिलकर पेट में जाता है जिससे पाचन तंत्र को भारीपन महसूस नहीं होता और गैस व ब्लोटिंग से तुरंत राहत मिलती है।

गर्मियों में क्यों है फायदेमंद

भीषण गर्मी के मौसम में पेट की जलन और एसिडिटी की समस्या आम है। यदि जीरा पानी को सही मात्रा और सही तापमान पर लिया जाए तो यह पेट को शीतलता प्रदान करता है और शरीर के आंतरिक तापमान को नियंत्रित रखता है।

जीरा पानी केवल वजन घटाने का जरिया नहीं बल्कि एक आयुर्वेदिक उपचार है। अगर आप इसे नियम और संयम के साथ अपनी दिनचर्या में शामिल करते हैं तो यह न केवल आपके पेट को हल्का रखेगा बल्कि आपकी त्वचा में भी कुदरती चमक लाएगा।

भरवां करेला बनाते वक्त मसाले में मिला दें ये 2 चीजें, मिलेगा दादी नानी वाला स्वाद, फटाफट नोट कर लें रेसिपी

भरवां करेला खाने में काफी स्वादिष्ट लगते हैं। ये नॉर्मल करेला से कम कड़वे होते हैं। हम आपको कुछ ऐसे टिप्स बता रहे हैं जिससे भरवां करेला बिल्कुल भी कड़वे नहीं बनेंगे। फटाफट नोट कर लें भरवां करेला की रेसिपी।

गर्मी में करेला का सीजन होता है। करेला की सब्जी लोगों को कड़वी जरूर लगती है लेकिन इसके फायदे जानकर लोग इसे खाना पसंद करते हैं। करेला की कटी सब्जी का स्वाद कड़वा होता है लेकिन इसे भरवां बनाने से कड़वापन कम हो जाता है। भरवां करेला को दाल के साथ खाने में अलग ही मजा आता है। सबसे खास बात जिन लोगों को रोज सब्जी बनाने में झंझट लगता है वो भरवां करेला बनाकर कई दिनों तक खा सकते हैं। भरवां करेला बनाते वक्त अगर आप कुछ टिप्स को फॉलो करेंगे तो स्वाद बिल्कुल भी कड़वा नहीं लगेगा। इससे आपको एकदम दादी नानी के हाथ वाले करेला का स्वाद आएगा। फटाफट नोट कर लें भरवां करेला की रेसिपी।

भरवां करेला की रेसिपी

करेले का कड़वापन निकालने के टिप्स– सबसे पहले करेला का कड़वापन निकालना जरूरी है। भरवां करेला के लिए मीडियम साइज के करेला लें। करेला को छीलकर अंदर के बीज निकाल दें। अब नमक और हल्दी में थोड़ा पानी डालकर गाढ़ा घोल बना लें। इस घोल को करेला पर अच्छी तरह से लगा लें। 15 मिनट के लिए ऐसे ही छोड़ दें और फिर साफ पानी से धो लें।

करेले को फ्राई कर लें– अब करेले का कड़वापन कम करने के लिए आप इन्हें पहले हल्का फ्राई कर लें। जब करेला का पानी सूख जाए तो इन्हें सरसों के तेल में हल्का फ्राई कर लें। इससे करेले का कड़वापन दूर हो जाएगा और भरवां करेला का स्वाद और भी बढ़ जाएगा। इसी कड़ाही में करेला कि छिलके और बीज भी भून लें।

भरवां करेला का मसाला– अब भरवां करेला का लिए मसाला बनाएं। इसके लिए 2-3 प्याज को कद्दूकस कर लें। इसमें लहसुन और अदरक कूटकर डाल दें। अब कड़ाही में सरसों के तेल डालें और इसमें हींग, जीरा, सौंफ, कलौंजी डालकर चटकाएं। अब प्याज, लहसुन-अदरक डालकर भून लें। इसमें सूखा धनिया, हल्दी, नमक, लाल मिर्च, आमचूर पाउडर, सौंफ पाउडर मिला दें। मसाले को भूनते वक्त ही आप इसके भुने हुए करेला के बीज और छिलका भी मिला दें। इससे भरवां करेला में दादी नानी वाला स्वाद मिलेगा।

करेले में मसाला कैसे भरें– अब तैयार किए गए मसाले को हल्का ठंडा कर लें। फ्राई किए गए करेला में मसाला भरें और करेला को किसी धागे से लपेटते हुए बंद करते जाएं। सारे करेला ऐसे ही तैयार कर लें। अब कड़ाही में सिर्फ 1-2 चम्मच तेल डालकर सारे करेला फिर से कड़ाही में रख दें। गैस की फ्लेम कम कर दें और पलटते हुए करेला को थोड़ी देर फ्राई कर लें। भरवां करेला की सब्जी बनकर तैयार है। आप इसे कई दिनों तक दाल के साथ, पराठे और चावल के साथ खा सकते हैं। सफर में ले जाने के लिए भरवां करेला अच्छी सब्जी क्योंकि ये कई दिनों तक खराब नहीं होती है।

नशा, ट्रैफिक और अपराधियों पर रहेगी पैनी नजर, पुलिसिंग में दिखेगा बदलाव : एसपी सियाज के एम

सिंगरौली में पदभार ग्रहण करते ही नवागत पुलिस अधीक्षक सियाज के एम ने गिनाईं प्राथमिकताएं

सिंगरौली। जिले के नवागत पुलिस अधीक्षक सियाज के एम ने शुक्रवार को पदभार ग्रहण करते ही साफ संकेत दे दिए कि आने वाले समय में जिले में पुलिसिंग का स्वरूप अधिक सक्रिय, जवाबदेह और जनहित केंद्रित नजर आएगा। पदभार संभालने के बाद उन्होंने अधीनस्थ अधिकारियों से परिचयात्मक बैठक की और जिले की कानून-व्यवस्था, यातायात, अपराध नियंत्रण तथा सामाजिक सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर प्रारंभिक चर्चा की। इसके बाद पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने अपनी प्राथमिकताओं को विस्तार से सामने रखा।

नवागत पुलिस अधीक्षक ने कहा कि सिंगरौली उनका पहला जिला है, इसलिए यहां की परिस्थितियों, चुनौतियों और स्थानीय गतिविधियों को समझने में कुछ समय लगेगा, लेकिन प्राथमिकताएं पूरी तरह स्पष्ट हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी निर्दोष व्यक्ति के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा और पुलिस की कार्यशैली ऐसी होगी, जिससे समाज में विश्वास और सुरक्षा का वातावरण मजबूत हो। उन्होंने विशेष रूप से महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों की सुरक्षा को अपनी प्राथमिकता बताते हुए कहा कि इनके खिलाफ होने वाले अपराधों पर सख्ती से अंकुश लगाया जाएगा। शहर की यातायात व्यवस्था पर उन्होंने कहा कि बड़े शहरों की तुलना में यहां ट्रैफिक दबाव कम है, लेकिन भारी वाहनों की संख्या अधिक होने से चुनौतियां अलग हैं। ऐसे में सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के पालन को लेकर व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया जाएगा। साथ ही परिवहन से जुड़ी घटनाओं को रोकने के लिए वाहन चालकों में नियमों के प्रति जिम्मेदारी बढ़ाने पर जोर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि टीमवर्क के जरिए कमियों को चिन्हित कर सुधार किया जाएगा, ताकि सड़क हादसों में कमी लाई जा सके। शहर में लगातार सामने आ रही चोरी की घटनाओं पर चिंता जताते हुए पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट किया कि पेट्रोलिंग व्यवस्था को और मजबूत किया जाएगा। संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी बढ़ाई जाएगी तथा अपराधियों पर पैनी नजर रखी जाएगी। उन्होंने कहा कि अपराध नियंत्रण के लिए आधुनिक पुलिसिंग के साथ-साथ जमीनी स्तर पर सक्रियता बढ़ाई जाएगी।

जमीनी हकीकत को बेहतर समझता हूं

नवागत पुलिस अधीक्षक सियाज के एम ने कहा कि वह फील्ड के अधिकारी रहे हैं और जमीनी हकीकत को बेहतर ढंग से समझते हैं। जिले के सभी थाना और चौकी क्षेत्रों का निरीक्षण कर वहां की व्यवस्था का आकलन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पुलिस महकमे में जिस अधिकारी और कर्मचारी को जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसका पूरी निष्ठा और जवाबदेही के साथ निर्वहन सुनिश्चित कराया जाएगा। उनका स्पष्ट संदेश था कि सिंगरौली में कानून व्यवस्था को और अधिक मजबूत, संवेदनशील और प्रभावी बनाने की दिशा में ठोस पहल की जाएगी।

पुराने एसपी को जाने पर दफ्तर में दिखी खुशी

सिंगरौली में तत्कालीन पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री के स्थानांतरण के बाद पुलिस महकमे के भीतर बदले माहौल की चर्चा तेज हो गई है। नवागत एसपी सियाज के एम के पदभार ग्रहण करते ही पुलिस अधीक्षक कार्यालय में पदस्थ कनिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों के बीच अलग तरह का उत्साह देखने को मिला। इसे लेकर प्रशासनिक गलियारों में कई तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं।माना जा रहा है कि बीते कार्यकाल को लेकर भीतर ही भीतर पनप रही नाराजगी अब खुलकर सामने आने लगी है। मनीष खत्री के कार्यकाल में जिले की कानून व्यवस्था लगातार सवालों के घेरे में रही। चोरी, लूट और बैंक डकैती जैसी घटनाओं ने पुलिस की कार्यशैली पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगाए। कई मामलों में अपराधियों तक पहुंचने में देरी और कुछ घटनाओं के खुलासे में सुस्ती को लेकर आमजन में भी असंतोष देखा गया। अब नवागत एसपी से जिले की जनता और पुलिस विभाग दोनों को नई कार्यशैली, सख्त कानून व्यवस्था और बेहतर पुलिसिंग की उम्मीद है।

धनहा के 125 वर्ष पुराने तालाब के जीर्णोद्धार का शुभारंभ

जनपद अध्यक्ष प्रणव पाठक की पहल पर शुरू हुआ कायाकल्प, जल संरक्षण और ग्रामीण विरासत को मिलेगा नया जीवन

सिंगरौली। जनपद पंचायत देवसर अंतर्गत ग्राम पंचायत धनहा स्थित करीब 125 वर्ष पुराने ऐतिहासिक तालाब के जीर्णोद्धार एवं सौंदर्यीकरण कार्य का शुक्रवार को विधिवत शुभारंभ किया गया। जनपद पंचायत अध्यक्ष प्रणव पाठक 'वीरू' ने नारियल फोड़कर कार्यारंभ कराया। लंबे समय से उपेक्षा का शिकार रहे इस प्राचीन तालाब के पुनर्जीवन को लेकर क्षेत्रीय ग्रामीणों में खासा उत्साह देखा गया। लोगों ने इसे गांव की सांस्कृतिक विरासत को सहेजने और जल संरक्षण की दिशा में ऐतिहासिक पहल बताया।

बताया गया कि इस तालाब के जीर्णोद्धार की मांग लंबे समय से स्थानीय ग्रामीणों एवं ग्राम पंचायत धनहा के सरपंच रावेंद्र द्विवेदी रामे द्वारा उठाई जा रही थी। जनपद पंचायत अध्यक्ष प्रणव पाठक ने इस मुद्दे को गंभीरता से लेते हुए प्रशासनिक स्तर पर लगातार पहल की और कलेक्टर गौरव बैनल के समक्ष क्षेत्र की भावना को प्रमुखता से रखा। इसके बाद तालाब के कायाकल्प की प्रक्रिया को गति मिली और अब कार्य धरातल पर शुरू हो गया है।

ग्रामीणों का कहना है कि तालाब के गहरीकरण एवं सौंदर्यीकरण से क्षेत्र में जल संरक्षण को मजबूती मिलेगी। किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त जल उपलब्ध होगा, पशुपालकों को राहत मिलेगी और भू-जल स्तर में भी सुधार आएगा। साथ ही भविष्य में यह स्थल प्राकृतिक सौंदर्य और सामाजिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र बन सकता है। इस मौके पर जनपद अध्यक्ष प्रणव पाठक ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान 3.0 के तहत पुराने जल स्रोतों के संरक्षण और पुनर्जीवन को प्राथमिकता दी जा रही है। धनहा का यह ऐतिहासिक तालाब आने वाली पीढ़ियों के लिए जल संरक्षण का प्रेरणास्रोत बनेगा। उन्होंने कहा कि विकास केवल सड़क और भवन निर्माण तक सीमित नहीं, बल्कि जल, पर्यावरण और ग्रामीण विरासत के संरक्षण से ही समग्र विकास संभव है।

खुटार का मोती तारा तालाब बना कचरे का अड्डा, ग्रामीणों में फूटा आक्रोश

सिंगरौली। एक ओर सरकार जल संरक्षण, तालाबों के पुनर्जीवन और स्वच्छता अभियान को लेकर बड़े-बड़े दावे कर रही है, वहीं दूसरी ओर जिले के ग्राम पंचायत खुटार स्थित ऐतिहासिक मोती तारा तालाब बदहाली और गंदगी का शिकार बना हुआ है। हालत यह है कि कभी ग्रामीणों की आस्था और जलस्रोत का केंद्र रहा यह तालाब अब कचरे के ढेर में तब्दील होता नजर आ रहा है। इससे ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है।

ग्रामीणों का आरोप है कि खुटार बाजार सहित आसपास के क्षेत्रों से निकलने वाला कचरा खुलेआम तालाब में डंप किया जा रहा है। इतना ही नहीं, आसपास संचालित निजी क्लीनिकों का मेडिकल वेस्ट, जिसमें इस्तेमाल की गई सिरिंज, ग्लूकोज की बोतलें और अन्य खतरनाक सामग्री शामिल है, तालाब किनारे फेंकी जा रही है। इससे संक्रमण फैलने और गंभीर बीमारियों की आशंका बढ़ गई है। स्थिति को और गंभीर बनाते हुए ग्रामीणों ने बताया कि तालाब के समीप श्मशान घाट होने के बावजूद यहां मृत गाय, भैंस और कुत्तों तक को फेंका जा रहा है। सड़ांध और गंदगी के कारण आसपास का वातावरण दूषित हो रहा है, जिससे बरसात के मौसम में महामारी फैलने का खतरा मंडरा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि ग्राम पंचायत की लापरवाही और सफाई व्यवस्था की अनदेखी से हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं। लोगों ने जिला प्रशासन से मोती तारा तालाब की तत्काल सफाई, मेडिकल वेस्ट फेंकने वालों पर सख्त कार्रवाई, मृत पशु फेंकने वालों पर जुर्माना तथा तालाब क्षेत्र में स्वच्छता व सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो जनआंदोलन किया जाएगा।

सांसद का जन दर्शन कार्यक्रम रविवार को

सिंगरौली। लोकसभा सांसद डॉ राजेश मिश्रा का जनदर्शन कार्यक्रम रविवार 10 मई को आयोजित होगा। सांसद कार्यालय पुराने पी डब्ल्यू डी विश्राम गृह मे सांसद जी रविवार को सुबह 11 बजे से 3 बजे तक उपस्थित रहेंगे तथा क्षेत्रीय आम जनों की समस्याओं को सुनेंगे। सांसद महोदय पूर्व मे प्राप्त आवेदनों का प्रशासनिक अधिकारियों की उपस्थिति में समीक्षा भी करेंगे। जन दर्शन कार्यक्रम मे सांसद क्षेत्र की आम जनता तथा कार्यकर्ताओं से मिल कर उनकी समस्याओं को सुनते हैं तथा उनके समाधान हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हैं। सासद जी क्षेत्रीय जनों की वर्तमान समस्याओं के साथ पूर्व में प्राप्त आवेदनों की समीक्षा कर उचित कार्यवाही का निर्देश प्रशासनिक अधिकारियों को देते हैं। सांसद कार्यालय से जारी सूचना के आधार पर क्षेत्र का कोई भी नागरिक जाकर सांसद जी से सीधे संवाद कर सकता है तथा अपनी वैध समस्या को उनके समक्ष रख सकता है जिसके निराकरण की उचित व्यवस्था सांसद कार्यालय के माध्यम से की जाती है।

जयंत बस स्टैंड की दीनदयाल रसोई में 5 रुपये में भरपेट भोजन

नगर निगम की पहल से यात्रियों व जरूरतमंदों को पौष्टिक भोजन, स्वच्छ पेयजल व बेहतर सुविधाएं उपलब्ध

सिंगरौली। राज्य शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को जमीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू करने की दिशा में नगर पालिक निगम सिंगरौली द्वारा जयंत बस स्टैंड स्थित दीनदयाल रसोई का संचालन निरंतर किया जा रहा है। यहां आमजन, श्रमिकों, यात्रियों और जरूरतमंदों को मात्र 5 रुपये में भरपेट, पौष्टिक एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। कम कीमत में बेहतर भोजन मिलने से बड़ी संख्या में लोग इस योजना का लाभ उठा रहे हैं।

नगर निगम प्रशासन के अनुसार दीनदयाल रसोई का संचालन बस स्टैंड परिसर के निर्धारित कक्ष में सुव्यवस्थित रूप से किया जा रहा है। भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता और समयबद्ध वितरण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, ताकि लाभार्थियों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। योजना के नोडल अधिकारी अक्षत उपाध्याय ने बताया कि भोजन के साथ स्वच्छ पेयजल की भी समुचित व्यवस्था केंद्र पर सुनिश्चित की गई है, जिससे यहां आने वाले लोगों को बेहतर सुविधा मिल सके। उन्होंने बताया कि दीनदयाल रसोई के लिए बनाए गए नवीन भवन में विद्युत साज-सज्जा सहित अन्य आवश्यक कार्य तेजी से पूरे किए जा रहे हैं। भवन पूरी तरह तैयार होते ही रसोई को और अधिक सुविधायुक्त एवं भव्य स्वरूप में शुरू किया जाएगा, जिससे लाभार्थियों की संख्या में भी वृद्धि होने की संभावना है। नगर निगम की यह पहल न केवल गरीब, श्रमिक और जरूरतमंद वर्ग के लिए राहत का माध्यम बन रही है, बल्कि यात्रियों को भी कम खर्च में पौष्टिक भोजन उपलब्ध करा रही है। शासन की मंशानुसार संचालित यह योजना सामाजिक सरोकार और जनसेवा का बेहतर उदाहरण बनकर उभर रही है। निगम प्रशासन का कहना है कि आमजन को सम्मानपूर्वक भोजन और बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयास जारी रहेंगे।

अवैध शराब पर आबकारी का शिकंजा, 72 बल्क लीटर देशी मदिरा जब्त

सरई क्षेत्र में पोल्ट्री फार्म पर दबिश, आरोपी गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया

सिंगरौली। जिले में अवैध मदिरा के कारोबार और संग्रहण के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत आबकारी विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 72 बल्क लीटर देशी मदिरा जब्त की है। सरई वृत्त क्षेत्र में की गई इस कार्रवाई में एक आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया।

कलेक्टर गौरव बैनल के मार्गदर्शन और जिला आबकारी अधिकारी सतीश कश्यप के निर्देशन में आबकारी विभाग की टीम ने सरई थाना क्षेत्र के निगरी निवासी बालमुकुंद साहू (35) के पोल्ट्री फार्म पर दबिश दी। जांच के दौरान मौके से 4 कार्टून देशी मदिरा मसाला और 4 कार्टून देशी मदिरा प्लेन बरामद हुई। कुल 72 बल्क लीटर मदिरा की कीमत करीब 36 हजार 200 रुपये आंकी गई है। आबकारी विभाग ने आरोपी के खिलाफ मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम की धारा 34(1)(क) एवं 34(2) के तहत मामला दर्ज कर गिरफ्तारी की कार्रवाई की। इसके बाद आरोपी को माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। अधिकारियों के मुताबिक, पूरी कार्रवाई की वीडियोग्राफी भी कराई गई, ताकि साक्ष्यों का विधिवत संकलन हो सके। इस कार्रवाई में आबकारी उपनिरीक्षक श्वेता सिंह, आरक्षक रीतिका चौकसे, अनुज भुंजिया और धीरू सिंह की सक्रिय भूमिका रही। जिले में अवैध मदिरा के खिलाफ आगे भी इसी तरह सख्त अभियान जारी रहने के संकेत विभाग ने दिए हैं।

आदिवासी युवक से दुष्कर्म के आरोपित की गिरफ्तारी में देरी, पुलिस पर उठे सवाल

सिंगरौली। सरई थाना क्षेत्र में एक गंभीर आपराधिक घटना को लेकर दर्ज एफआईआर के बावजूद आरोपियों की गिरफ्तारी न होना पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर रहा है। प्राप्त दस्तावेज के अनुसार घटना 1 मई की रात्रि लगभग 1 बजे की है, जहां फरियादी पीड़ित आदिवासी निवासी झारा का कहना है कि छविलाल जायसवाल की बारात करने बरका गया था। जहां 1 मई की आधी रात करीब 1 बजे बारात देख रहा था, उसी समय श्यामलाल जायसवाल निवासी दुधमनिया आया और कहा कि दुल्हे का भाई बुलाया है।

जनगणना कार्य में उत्कृष्ट प्रगणकों का सम्मान, कलेक्टर ने सराहा समर्पण

सिंगरौली। जनगणना 2027 के प्रथम चरण में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य शत-प्रतिशत पूर्ण करने वाले प्रगणकों को जिला प्रमुख जनगणना अधिकारी एवं कलेक्टर गौरव बैनल ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर कलेक्टर ने प्रगणकों की मेहनत, निष्ठा और जिम्मेदारी की सराहना करते हुए कहा कि निर्धारित समय सीमा में घर-घर पहुंचकर गणना कार्य पूरा करना सराहनीय उपलब्धि है। इसके लिए सभी प्रगणक बधाई के पात्र हैं। कलेक्टर ने कहा कि जनगणना केवल आंकड़ों का संग्रह नहीं, बल्कि देश और प्रदेश की भावी योजनाओं की आधारशिला है। एक प्रगणक के रूप में आपकी भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है, क्योंकि आपके द्वारा तैयार की गई रिपोर्ट के आधार पर आगामी दशक की सरकारी नीतियां तय होंगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि आने वाले चरणों में भी इसी ऊर्जा, पारदर्शिता और ईमानदारी के साथ कार्य करते हुए जनगणना 2027 के लक्ष्यों को सफलतापूर्वक पूरा किया जाएगा। उन्होंने प्रगणकों से राष्ट्रीय महत्व के इस कार्य को पूरी प्रतिबद्धता के साथ समय पर संपन्न करने का आह्वान किया। सम्मान समारोह के दौरान अपर कलेक्टर पी.एस. त्रिपाठी, संयुक्त कलेक्टर एवं जिला जनगणना अधिकारी संजीव पाण्डेय तथा जिला जनगणना प्रभारी वैभव अग्रवाल सहित प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

बिना वैध पास गिट्टी का परिवहन करते हाइवा जब्त

कलेक्टर के निर्देश पर खनिज विभाग की कार्यवाही, माडा थाने में खड़ा कराया गया वाहन

सिंगरौली। जिले में अवैध खनिज परिवहन पर प्रशासन लगातार शिकंजा कस रहा है। इसी क्रम में कलेक्टर सिंगरौली गौरव बैनल के निर्देशानुसार खनिज विभाग द्वारा शुक्रवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए बिना वैध अभिवहन पास गिट्टी का परिवहन कर रहे एक हाइवा को जब्त किया गया। कार्रवाई से अवैध खनिज कारोबारियों में हड़कंप की स्थिति बनी हुई है। जानकारी के अनुसार खनिज अधिकारी सुश्री आकांक्षा पटेल के मार्गदर्शन में सहायक खनि अधिकारी रामसुशील चौरसिया ने 8 मई 2026 को जांच अभियान चलाया। इस दौरान वाहन क्रमांक एमपी 66 एच 1571 गिट्टी का परिवहन करते पाया गया। जांच में वाहन चालक वैध अभिवहन पास प्रस्तुत नहीं कर सका, जिस पर टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए हाइवा को जब्त कर लिया। जब्त वाहन को सुरक्षार्थ पुलिस थाना माडा परिसर में खड़ा कराया गया है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार वाहन के विरुद्ध खनिज नियमों के तहत अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध खनिज उत्खनन और परिवहन किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। खनिज विभाग की इस कार्रवाई को प्रशासन की सख्ती के रूप में देखा जा रहा है। लगातार हो रही जांच और धरपकड़ से अवैध कारोबार में लिप्त लोगों पर दबाव बढ़ा है। अधिकारियों ने कहा कि जिलेभर में जांच अभियान आगे भी जारी रहेगा और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

विश्व रेडक्रॉस दिवस पर सेवा, समर्पण और मानवता का भव्य उत्सव

रेडक्रॉस सिंगरौली ने सामाजिक संस्थाओं को किया सम्मानित

सिंगरौली। इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी, सिंगरौली द्वारा विश्व रेड क्रॉस दिवस के अवसर पर डीडीआरसी भवन स्थित सभागार में भव्य सम्मान समारोह एवं सामाजिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। यह आयोजन रेडक्रॉस के संस्थापक महान मानवतावादी जीन हेनरी ड्यूनेंट के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज में मानव सेवा, स्वैच्छिक रक्तदान एवं सामाजिक सहभागिता को प्रोत्साहित करना रहा।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कलेक्टर एवं रेडक्रॉस अध्यक्ष गौरव बैनल की अध्यक्षता, रेडक्रॉस चेयरमैन एसडी सिंह, उपाध्यक्ष मनोज प्रताप सिंह, वाइस चेयरमैन गोविंद प्रसाद पांडे, सचिव डॉ ओपी राय तथा एनटीपीसी विंध्य चिकित्सालय के सीएमओ डॉ बीके भराली विशेष रूप से उपस्थित में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ रेडक्रॉस संस्थापक जीन हेनरी ड्यूनेंट के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर किया गया। तत्पश्चात रेडक्रॉस चेयरमैन एस.डी. सिंह द्वारा स्वागत उद्बोधन प्रस्तुत करते हुए सभी अतिथियों एवं विभिन्न संस्थाओं से आए प्रतिनिधियों का स्वागत किया गया तथा रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा संचालित सामाजिक एवं जनकल्याणकारी गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी गई। अपने संबोधन में रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा संचालित ब्लड सेंटर की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए बताया गया कि दिनांक 31 अक्टूबर 2014 से अब तक कुल 45,215 यूनिट रक्त संग्रहण तथा 42,865 यूनिट रक्त वितरण का कार्य सफलतापूर्वक किया गया है। मुख्य अतिथि कलेक्टर सह रेडक्रॉस अध्यक्ष गौरव बैनल ने अपने उद्बोधन में रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा किए जा रहे सामाजिक कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि रेडक्रॉस सिंगरौली द्वारा सेवा, समर्पण एवं मानवता के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि ब्लड सेंटर एवं स्वैच्छिक रक्तदान शिविर समाज के लिए अत्यंत प्रेरणादायी पहल है, जिससे जरूरतमंदों को समय पर रक्त उपलब्ध हो पा रहा है। उन्होंने सामाजिक संगठनों एवं स्वयंसेवकों से समाजसेवा के कार्यों में सक्रिय सहभागिता निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान रेडक्रॉस सोसायटी सिंगरौली की वार्षिक पत्रिका मानव संवेदना (2025-26) का विमोचन कलेक्टर गौरव बैनल एवं अन्य गणमान्य अतिथियों द्वारा किया गया। पत्रिका में रेडक्रॉस द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं, सेवा गतिविधियों एवं सामाजिक अभियानों का विस्तृत संकलन प्रस्तुत किया गया है।

साझा किया 'कॉकटेल 2' में काम करने का अनुभव

रश्मिका मंदाना से क्यों आकर्षित होती हैं कृति ?

अभिनेत्री कृति सेनन इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'कॉकटेल 2' को लेकर चर्चाओं में हैं। फिल्म का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस फिल्म में उनके साथ रश्मिका मंदाना और शाहिद कपूर भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। पहली बार कृति सेनन और रश्मिका मंदाना साथ में नजर आएंगी। अक्सर जब दो ए लिस्ट एक्ट्रेस एक ही फिल्म में आती हैं, तो चर्चाएं बटोरती हैं। अब हाल ही में कृति ने रश्मिका के साथ काम करने के अनुभव को साझा किया है।

हाल ही में एक अवॉर्ड इवेंट में कृति सेनन ने रश्मिका मंदाना के साथ 'कॉकटेल 2' में काम करने के अनुभव के बारे में बताया। एक्ट्रेस ने कहा कि रश्मिका बहुत ही सच्ची, दयालु, प्यारी और मिलनसार हैं। उनमें जरा भी इनसिक्योरिटी नहीं है। बस अच्छाई ही अच्छाई है और मुझे लगता है कि मैं पॉजिटिव एनर्जी से अट्रैक्ट होती हूं। अगर मुझे किसी की ऊर्जा और पॉजिटिविटी महसूस होती है, तो मैं उसकी ओर आकर्षित हो जाती हूं। मुझे उनके साथ काम करके बहुत मजा आया, और वह कमाल की हैं। मैं उन्हें बहुत पसंद करती हूं। कृति ने 'कॉकटेल 2' और 2012 में आई 'कॉकटेल' के बीच होने वाली तुलना पर भी बात की। एक्ट्रेस ने स्पष्ट किया कि यह 'कॉकटेल' का सीधा सीक्वल नहीं है। यह एक अलग कहानी और किरदारों वाली फ्रेंचाइज फिल्म है। तुलनाओं के बारे में बात करते हुए कृति ने कहा कि मुझे यकीन है कि तुलना तो होगी ही, लेकिन अच्छी बात यह है कि यह कोई सीक्वल नहीं है। यह एक फ्रेंचाइज है।

इसलिए यह एक अलग ही माहौल वाली फ्रेंचाइज है और इसके किरदार अलग-अलग हैं। साल 2012 में आई 'कॉकटेल' में सैफ अली खान, दीपिका पादुकोण और डायना पेंटी प्रमुख भूमिका में नजर आए हैं। 'कॉकटेल' अपने संगीत, किरदारों और आधुनिक रिश्तों के ड्रामे के लिए कई साल से एक कल्ट फिल्म बन गई है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर भी सफल रही थी और इसे पसंद किया गया था। होमी अदजानिया द्वारा निर्देशित कॉकटेल 2 19 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म की शूटिंग से जुड़ी कई तस्वीरें और वीडियो ऑनलाइन सामने आने के बाद से ही दर्शकों में उत्सुकता बढ़ गई है। कई लोगों का मानना है कि फिल्म शाहिद कपूर, कृति सैनन और रश्मिका मंदाना के बीच लव ट्रायंगल पर आधारित होगी। निर्देशक होमी अदजानिया ने भी इन अफवाहों पर मजाकिया प्रतिक्रिया दी थी। फिल्म का गाना 'जब तलक' भी काफी पॉपुलर हो रहा है।

मैं हमेशा अपने लिए तैयार होती हूं, किसी को इम्प्रेस करने के लिए नहीं : कृतिका कामरा

फिल्म और टीवी इंडस्ट्री में फैशन सिर्फ कपड़ों तक सीमित नहीं रह गया है बल्कि यह कलाकारों की पहचान का अहम हिस्सा बन चुका है। हर इवेंट और फोटोशूट में सितारों का लुक चर्चा का विषय बन जाता है। ऐसे में कई बार यह सवाल भी उठता है कि कलाकार खुद के लिए तैयार होते हैं या फिर पब्लिक इमेज को ध्यान में रखकर। इसी मुद्दे पर अभिनेत्री कृतिका कामरा ने खुलकर अपनी राय रखी। आईएएनएस से बातचीत में कृतिका ने कहा कि उन्होंने हमेशा अपने लिए कपड़े पहने हैं और फैशन उनके लिए आत्मविश्वास और खुशी से जुड़ा हुआ है। आईएएनएस से बात करते हुए कृतिका कामरा ने कहा, मुझे बहुत जल्द ही यह समझ आ गई थी कि मुझे सजना-संवरना और फैशन काफी पसंद है। मैं खुद को अच्छा महसूस कराने के लिए तैयार होती हूं। अच्छे कपड़े पहनने और खुद को अच्छे तरीके से प्रेजेंट करने का असर मेरे पूरे दिन पर पड़ता है। इससे मेरा आत्मविश्वास बढ़ता है और मैं अपने काम में ज्यादा सकारात्मक महसूस करती हूं। कृतिका कामरा ने आगे बताया, मैंने नई दिल्ली के एक डिजाइन स्कूल में फैशन कम्युनिकेशन की पढ़ाई की है।

इसी वजह से मैं फैशन की दुनिया को एक अलग नजरिए से देखती हूं। मुझे यह जानने में दिलचस्पी रहती है कि किसी कपड़े को बनाने में कितनी मेहनत लगती है, किसी खास टेक्सटाइल को तैयार करने की प्रक्रिया क्या होती है और डिजाइनिंग के पीछे कितना काम छिपा होता है। जब इंसान किसी चीज की मेहनत को समझता है, तो उसके प्रति सम्मान भी बढ़ जाता है। अभिनेत्री ने कहा, मैं फैशन इंडस्ट्री में चल रहे नए ट्रेंड्स से भी खुद को अपडेट रखती हूं, लेकिन हमेशा से वही पहनती हूं, जिसमें मैं खुद को सहज और आत्मविश्वासी महसूस करती हूं। मैंने कभी किसी को खुश करने या इम्प्रेस करने के लिए कपड़े नहीं पहने। फैशन का असली मतलब वही है, जब इंसान अपने लिए तैयार हो और अपने व्यक्तित्व को खुलकर जी सके। कृतिका कामरा ने महिलाओं के नजरिए से फैशन को लेकर भी दिलचस्प बात कही।

जानें 'भूत बंगला' और बाकी फिल्मों की कमाई

50 करोड़ पार 'राजा शिवाजी', एक हफ्ते में 'एक दिन' हुई पस्त

वीकएंड से पहले कई फिल्मों के लिए कमाई करना मुश्किल होता है, कुछ का कलेक्शन तो बहुत गिर भी जाता है। जानिए, गुरुवार को हिंदी फिल्म 'एक दिन', 'भूत बंगला' और 'धुरंधर 2' के अलावा मराठी फिल्म 'राजा शिवाजी' ने कितना कलेक्शन किया है। साथ ही हॉलीवुड की दो फिल्में 'माइकल' और 'द डेविल वियर्स प्राडा 2' भी भारतीय दर्शकों को पसंद आ रही हैं। इन फिल्मों में सबसे ज्यादा कमाई किसने की है, पढ़िए बॉक्स ऑफिस रिपोर्ट में।

सैकनिल्क के अनुसार फिल्म 'राजा शिवाजी' ने सातवें दिन 4 करोड़ रुपये की कमाई की है। फिल्म ने छठे दिन 4.25 करोड़ रुपये कमाए थे। रितेश देशमुख अभिनीत, निर्देशित इस फिल्म ने कुल 52.66 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर लिया है। फिल्म में रितेश देशमुख के अलावा सलमान खान, अभिषेक बच्चन, संजय दत्त और विद्या बालन जैसे एक्टर्स भी नजर आए थे। यह मराठी फिल्म हिंदी में भी रिलीज हुई है।

जुनैद खान की फिल्म 'एक दिन' हफ्ते भर में ही बॉक्स ऑफिस पर पस्त हो गई। इस फिल्म ने सातवें दिन सिर्फ 1 लाख रुपये कमाए। फिल्म का कलेक्शन शुरुआत से लाखों में रहा है। फिल्म का कुल कलेक्शन भी अब तक 3.53 करोड़ रुपये है।

अक्षय कुमार की फिल्म 'भूत बंगला' को रिलीज हुए 21 दिन हो चुके हैं। इस फिल्म ने गुरुवार को 1.75 करोड़ रुपये कमाए हैं, 20वें दिन भी इस फिल्म ने 1.75 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था। फिल्म ने 150 करोड़ रुपये का कुल कलेक्शन कर लिया है। अक्षय कुमार की इस हॉरर-कॉमेडी फिल्म के कलेक्शन में वीकेंड पर भी इजाफा हो सकता है।

फिल्म 'धुरंधर 2' भी अब तक थिएटर में टिकी है। फिल्म ने 50वें दिन 59 लाख रुपये का कमाए। इसका कुल कलेक्शन भी अब तक 1,140.67 करोड़ रुपये हो चुका है।

फटा पोस्टर निकला..., दादा के रोल में नजर आएंगे जैकी श्रॉफ

जैकी श्रॉफ जल्द ही फिल्म द ग्रेट ग्रैंड सुपरहीरो में नजर आएंगे। इस फिल्म में जैकी एक सुपरहीरो दादा की भूमिका निभा रहे हैं। जानें कब रिलीज होगी फिल्म द ग्रेट ग्रैंड सुपरहीरो? आज जैकी श्रॉफ की फिल्म द ग्रेट ग्रैंड सुपरहीरो के निर्माताओं ने इसकी रिलीज डेट से पर्दा उठा दिया है। इस फिल्म में जैकी एक सुपरहीरो दादा की भूमिका में नजर आएंगे। आज निर्माताओं ने फिल्म का एक पोस्टर शेयर किया है। इसी के साथ जानकारी दी है कि द ग्रेट ग्रैंड सुपरहीरो फिल्म इस साल 29 मई को रिलीज होगी। द ग्रेट ग्रैंड सुपरहीरो फिल्म का निर्देशन मनीष सैनी ने किया है। इसमें प्रतीक, स्मिता पाटिल, भाग्यश्री दासानी, शरत सक्सेना, मिहिर गोडबोले और कई कलाकार भी हैं। एक महीने पहले फिल्म द ग्रेट ग्रैंड सुपरहीरो का टीजर जारी किया गया था, जिसे लोगों ने बहुत पसंद किया। टीजर में दिखाया गया कि एक बच्चे की कल्पना कैसे दादा-पोते के रिश्ते को एलियंस के साथ रोमांचक एडवेंचर में बदल देती है। एएनआई के अनुसार, जैकी श्रॉफ ने कहा, इस फिल्म के जरिए हम हर बच्चे के सपने को पूरा कर रहे हैं। अगर आपका दिल हमेशा जवान रहे और 90 साल की उम्र में भी हिम्मत बनी रहे, तो यही आपको सुपरहीरो बनाता है। बच्चों के सपनों को हमेशा सबसे पहले जगह देनी चाहिए।

शादी में ऋतिक रोशन ने किया 'कहो ना प्यार है' पर जबरदस्त डांस, फैंस बोले- पुरानी यादें ताजा हो गईं

बॉलीवुड सुपरस्टार ऋतिक रोशन को इंडस्ट्री का बेस्ट डांसर माना जाता है। यही कारण है कि उनके डांस के उनके फैंस भी काफी दीवाने हैं। हाल ही में ऋतिक के डांस का एक वीडियो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। इसमें ऋतिक अपनी पहली फिल्म 'कहो ना प्यार है' के टाइटल ट्रैक पर डांस करते नजर आ रहे हैं। सबसे खास बात ऋतिक का ये वीडियो एक शादी की पार्टी में डांस का है। शादी में ऋतिक के डांस ने सबका ध्यान अपनी ओर खींचा है।

ऋतिक रोशन का वायरल वीडियो सूर्यगढ़ में हुई किसी शादी का बताया जा रहा है। वीडियो में ऋतिक बेज रंग के कुर्ते-पायजामे में तैयार नजर आ रहे हैं। वीडियो में ऋतिक ने अपने आसपास मौजूद मेहमानों के साथ 'कहो ना प्यार' गाने पर जमकर डांस किया। इस दौरान ऋतिक गाने का हुक स्टेप करते नजर आ रहे हैं। वीडियो वायरल होते ही फैंस उनके हाव-भाव, अदा और 25 साल बाद भी 2000 के गाने की याद दिलाने की क्षमता की तारीफ कर रहे हैं। कई सोशल मीडिया यूजर्स ने इस वीडियो पर अपनी प्रतिक्रियाएं साझा कीं। एक प्रशंसक ने लिखा, 'पूरी तरह से पुरानी यादें ताजा हो गईं। ऋतिक रोशन को कहो ना... प्यार है के मशहूर डांस स्टेप्स को फिर से करते देखना इस बात की याद दिलाता है कि कुछ जादू कभी फीका नहीं पड़ता।' एक प्रशंसक ने कहा, 'ऋतिक की डांस एनर्जी बेजोड़ है,' जबकि दूसरे ने टिप्पणी की, 'उनकी अदा कभी पुरानी नहीं होगी।' अन्य लोगों की प्रतिक्रियाएं भी इसी तरह की थीं। एक प्रशंसक ने लिखा, '52 साल की उम्र में भी सबसे हैंडसम आदमी।'

रिलीज हुआ आखिरी सवाल का ट्रेलर

संजय दत्त पिछली कई फिल्मों में धमाल मचा चुके हैं। अब वह अपनी अपकमिंग फिल्म आखिरी सवाल में भी धमाल मचाने वाले हैं। यह जल्द ही रिलीज होने वाली है। दर्शक इसका बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इससे पहले इसका ट्रेलर रिलीज किया गया है, जिसने फैंस की उत्सुकता बढ़ा दी है। ट्रेलर काफी दमदार है। आइए इसके बारे में जानते हैं।

2 मिनट 54 सेकेंड के ट्रेलर में दिखाया गया है कि संजय दत्त एक प्रोफेसर की भूमिका में हैं। वह काफी सुलझे हुए और बातचीत में यकीन रखने वाले व्यक्ति हैं। वहीं दूसरी तरफ समीरा रेड्डी और नमाशी चक्रवर्ती हैं। इन दोनों का ताल्लुक लेफ्ट स है। नमाशी चक्रवर्ती संजय दत्त से देश के कई बड़े मुद्दों को लेकर सवाल पूछते हैं।

ट्रेलर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़ी ऐतिहासिक घटनाओं पर गंभीर सवाल उठाए गए हैं। इसमें महात्मा गांधी की हत्या में ऋस्स की कथित संलिप्तता, बाबरी मस्जिद विध्वंस और इमरजेंसी जैसे संवेदनशील विषयों के बारे में सवाल पूछे गए हैं। ट्रेलर में इन घटनाओं से जुड़े सवालों के जवाब तो नहीं दिए गए हैं, लेकिन ऐसा लगता है कि फिल्म में इन सवालों के जवाब मिलेंगे। संजय दत्त इस पूरी कहानी के केंद्र में हैं। वह ऋस्स पर लगे आरोपों का जवाब देते हैं। यह फिल्म समीरा रेड्डी की वापसी की गवाह है। ट्रेलर में नमाशी चक्रवर्ती, अमित साध, नीतू चंद्रा और त्रिधा चौधरी जैसे कलाकार नजर आए हैं। इसके निर्देशक अभिजीत मोहन वारंग हैं। इसके निर्माता निखिल नंदा और संजय दत्त हैं। यह फिल्म 15 मई 2026 को हिंदी, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

गांव की मिट्टी से संगठन के शिखर तक पहुंचे पंकज जोशी, खादी एवं लघु ग्राम उद्योग निगम के चेयरमैन बनने से बढ़ा राजनीतिक कद

संघ प्रचारक से भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष तक का सफर; संगठन, कार्यकर्ताओं और ग्रामीण आत्मनिर्भरता को बताया राजनीति का मूल उद्देश्य

मध्यप्रदेश की राजनीति में कुछ चेहरे ऐसे होते हैं, जो केवल पद और प्रचार से नहीं बल्कि संगठन के प्रति समर्पण, जमीनी सक्रियता और कार्यकर्ताओं के बीच मजबूत पकड़ से अपनी पहचान बनाते हैं। भाजपा के वरिष्ठ नेता पंकज जोशी का नाम भी ऐसे ही नेताओं में शामिल हो चुका है। गांव की साधारण पृष्ठभूमि से निकलकर संगठन के विभिन्न महत्वपूर्ण दायित्वों तक पहुंचे पंकज जोशी का राजनीतिक सफर आज भाजपा संगठन में एक मजबूत और भरोसेमंद कार्यकर्ता नेता के रूप में देखा जा रहा है।

शाजापुर जिले की कालापीपल तहसील के ग्राम रोलाखेड़ी के एक कृषक परिवार में जन्मे पंकज जोशी का सार्वजनिक जीवन वैचारिक वातावरण में विकसित हुआ। उनके दादाजी स्वर्गीय विष्णु चरण जोशी शुजालपुर विधानसभा क्षेत्र से दो बार विधायक रहे थे। परिवार से मिले राजनीतिक संस्कार और वैचारिक प्रतिबद्धता ने उन्हें प्रारंभ से ही सामाजिक और संगठनात्मक गतिविधियों की ओर प्रेरित किया।

विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल से शुरू हुआ सफर : पंकज जोशी ने वर्ष 1989 से 1992 तक विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल में सक्रिय भूमिका निभाई। भोपाल जिले में संगठन विस्तार, युवाओं को जोड़ने और वैचारिक कार्यक्रमों को मजबूत करने में उन्होंने उल्लेखनीय काम किया। इसी दौर में उन्होंने गांव-गांव संपर्क और कार्यकर्ता आधारित राजनीति की कार्यशैली विकसित की, जिसने आगे चलकर उन्हें संगठन में अलग पहचान दिलाई।

संघ प्रचारक जीवन ने दी संगठनात्मक मजबूती : वर्ष 1992 में उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक के रूप में जिम्मेदारी संभाली। प्रचारक जीवन के दौरान अनुशासन, निरंतर प्रवास, कार्यकर्ताओं से संवाद और संगठन विस्तार की कार्यशैली ने उनके व्यक्तित्व को नई दिशा दी। लंबे समय तक संगठनात्मक कार्य करते हुए उन्होंने खुद को एक समर्पित और जुझारू कार्यकर्ता के रूप में स्थापित किया।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि संघ में बिताए वर्षों ने पंकज जोशी को केवल संगठनात्मक कौशल ही नहीं दिया, बल्कि उन्हें कार्यकर्ता आधारित राजनीति की गहरी समझ भी प्रदान की।

भाजपा में बढ़ती जिम्मेदारियां : साल 2009 में उन्होंने भारतीय जनता पार्टी में सक्रिय राजनीति के तहत लोकसभा प्रभारी के रूप में नई भूमिका निभानी शुरू की। इसके बाद पार्टी ने समय-समय पर उन्हें कई महत्वपूर्ण

जिम्मेदारियां सौंपीं। किसान मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष, युवा मोर्चा के प्रदेश प्रभारी, नगर पालिका चुनावों के प्रभारी से लेकर विधानसभा और लोकसभा चुनावों तक उन्होंने संगठनात्मक समन्वय और चुनावी रणनीति में सक्रिय भूमिका निभाई। भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच उनकी पहचान ऐसे नेता की रही है, जो बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं से सीधे संवाद बनाए रखते हैं। संगठनात्मक मजबूती और चुनाव प्रबंधन में उनकी भूमिका को कई नेताओं ने निर्णायक बताया है।

प्रदेश उपाध्यक्ष बनने के बाद बढ़ा प्रभाव : भाजपा के तत्कालीन प्रदेश अध्यक्ष राकेश सिंह की टीम में उन्हें प्रदेश मंत्री की जिम्मेदारी मिली। संगठन में लगातार सक्रियता, मेहनत और कार्यकर्ताओं के बीच मजबूत पकड़ को देखते हुए बाद में प्रदेश अध्यक्ष वी.डी. शर्मा की कार्यकारिणी में उन्हें प्रदेश उपाध्यक्ष का महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा गया। संगठन से जुड़े नेताओं का कहना है कि पंकज जोशी उन नेताओं में शामिल हैं, जो मंचीय राजनीति से अधिक संगठनात्मक राजनीति में विश्वास रखते हैं। यही वजह है कि उनका प्रभाव लगातार बढ़ता दिखाई दे रहा है।

खादी एवं लघु ग्राम उद्योग निगम के चेयरमैन बनने से बढ़ा कद : हाल ही में प्रदेश सरकार द्वारा पंकज जोशी को खादी एवं लघु ग्राम उद्योग निगम का चेयरमैन नियुक्त किया गया है। राजनीतिक हलकों में इस नियुक्ति को संगठन में उनकी सक्रियता, लंबे अनुभव और कार्यकर्ताओं के बीच मजबूत स्वीकार्यता का परिणाम माना जा रहा है। इस नई जिम्मेदारी को लेकर पंकज जोशी ने कहा कि यह केवल एक प्रशासनिक पद नहीं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था और स्थानीय रोजगार को मजबूत करने का अवसर है। सरकार और संगठन ने जो जिम्मेदारी दी है, उसका उद्देश्य केवल प्रशासनिक कार्य नहीं, बल्कि ग्रामीण रोजगार, कुटीर उद्योग और स्थानीय स्तर पर आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना है।

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि खादी एवं लघु ग्राम उद्योग जैसे महत्वपूर्ण विभाग की जिम्मेदारी मिलने के बाद प्रदेश राजनीति में उनका कद और प्रभाव दोनों बढ़े हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार, स्वरोजगार और कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देने के माध्यम से वे सीधे गांव और छोटे उद्यमियों से जुड़ सकेंगे।

कार्यकर्ता ही संगठन की असली ताकत : हाल ही में आयोजित एक परिचर्चा में पंकज जोशी ने अपने राजनीतिक सफर और संगठनात्मक अनुभव साझा करते हुए कहा मैंने हमेशा राजनीति को पद प्राप्ति का माध्यम नहीं, बल्कि संगठन और समाज सेवा का रास्ता माना है। गांव से निकला कार्यकर्ता जब कार्यकर्ताओं के साथ खड़ा रहता है, तभी संगठन मजबूत होता है।

उन्होंने संघ जीवन को अपनी सबसे बड़ी प्रेरणा बताते हुए कहा प्रचारक जीवन ने मुझे सिखाया कि व्यक्ति नहीं, विचार और संगठन सबसे बड़ा होता है। आज भी मैं उसी भावना के साथ काम करता हूं।

भविष्य की राजनीति में बढ़ती भूमिका : ग्रामीण पृष्ठभूमि, संघ का लंबा अनुभव, संगठनात्मक पकड़ और चुनावी रणनीति में सक्रिय भूमिका ने पंकज जोशी को भाजपा के उन नेताओं की श्रेणी में खड़ा कर दिया है, जिन्हें पार्टी भविष्य की बड़ी जिम्मेदारियों के लिए तैयार मान रही है।

संस्कृत भारती मध्यभारत प्रांत का प्रबोधन वर्ग आयोजित

भारतीय संस्कृति को संरक्षित करना है तो मन लगाकर संस्कृत पढ़ना होगा : तिवारी

भोपाल। संस्कृत भारती मध्यभारत प्रांत का प्रबोधन वर्ग के उद्घाटन सत्र में अतिथियों ने सरस्वती माता के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अशोक भदौरिया प्रांत अध्यक्ष ने की मुख्य अतिथि राजेश तिवारी जी सारस्वत अतिथि के रूप में महर्षि अभय कात्यायन जी एवं विशिष्ट अतिथि प्रसिद्ध कथावाचक सुश्री वैष्णवी गोस्वामी रहीं। वर्ग का प्रास्ताविक भाषण डॉ. जागेश्वर पटले प्रांत संगठन मंत्री मध्यभारत ने किया।

अतिथियों का स्वागत पुष्प गुच्छा श्री फल एवं गृहम - गृहम संस्कृतम पुस्तक देकर किया गया। प्रास्ताविक भाषण में डॉ. जगेश्वर पटले ने कहा वर्ग का उद्देश्य के बारे में बताया संस्कृत क्यों पढ़े क्यों आवश्यक है संस्कृत। इस विषय पर प्रकाश डाला उन्होंने कहा कि - भारत की जड़ें संस्कृत एवं संस्कृति में निहित हैं। प्रत्येक भारतीय को भारत के बारे में जानना चाहिए यदि जड़ की सीचेंगे तो वृक्ष की टहनियां पत्ते पुष्पित पल्लवित होंगे संपूर्ण वृक्ष पर असर पड़ेगा। भारत के स्वर्णिम अतीत के बारे में आधारभूत जानकारियां होनी चाहिए अपने पूर्वपुरुष एवं परम्पराओं के बारे जानें भारतीय वाङ्मय वेद पुराण उपनिषद आरण्यक रामायण महाभारत संस्कृत साहित्य एवं साहित्यकार कालिदास आस- भाष - बाण - माघ उनका जीवन परिचय आदि की जानकारी होनी चाहिए।

इस वर्ग में मुख्य अतिथि के रूप राजेश तिवारी ने कहा कि - भारतीय संस्कृति को संरक्षित करना है तो मन लगाकर संस्कृत पढ़ना होगा। विशिष्ट अतिथि के रूप में पधारी प्रसिद्ध कथा वाचक वैष्णवी गोस्वामी ने अपने उद्बोधन में संस्कृत से संस्कृति का रक्षण पर जोर दिया उन्होंने कहा कि संस्कृत देव भाषा है वेद भाषा है इसे हमें बचाने के आवश्यकता है। अंत में डॉ. अशोक भदौरिया ने उद्बोधन में 9 दिन चलने वाले इस वर्ग में पधारे लोगों को इस घोर गर्मी में अपना घर छोड़कर आवासीय वर्ग में रहने के लिए संस्कृत सीखने के लिए शुभकामनाएं दी।

इस वर्ग में संपूर्ण मध्यप्रान्त के 14 जिलों से 22 विकासखंड से 37 स्थानों से 97 लोग जिसमें 43 महिलाएं एवं 54 पुरुष भाग ले रहें हैं।

संत हिरदाराम नगर सिविल अस्पताल में बढ़ेगी बिस्तरों की संख्याः रामेश्वर शर्मा

भोपाल। सिविल अस्पताल, संत हिरदाराम नगर के आधुनिक नवनिर्मित भवन के उद्घाटन के लिए रोगी कल्याण समिति के सदस्य श्री बसंत चेलानी, श्री हरीश मुलानी, अधीक्षक श्री जे.के. जैन, डॉ श्री राजेश बनवासी ने विधायक श्री रामेश्वर शर्मा से मुलाकात की एवं सर्वप्रथम पश्चिम बंगाल में भाजपा की शानदार जीत के लिए बहुत-बहुत बधाई दी एवं नवनिर्मित बिल्डिंग की जानकारी देते हुए बताया कि सिविल अस्पताल की नई बिल्डिंग का काम लगभग पूरा हो गया है, जिसका अविलम्भ उद्घाटन किया जाना उचित है जिससे जनता को सुविधा का लाभ मिल सके, इसके साथ सिविल अस्पताल के बेडों की संख्या बढ़ाने का भी निवेदन किया गया जिसके लिए विधायक श्री रामेश्वर शर्मा ने दो तीन दिन में सिविल आस्पताल का निरिक्षण करने का आश्वासन दिया तथा मुख्यमंत्री माननीय श्री मोहन यादव जी एवं स्वास्थ्य मंत्री श्री राजेंद्र शुक्ला जी को पत्र लिखकर बेडों की संख्या बढ़ाने का निवेदन किया तथा उनसे व्यक्तिगत मिलकर नवनिर्मित आलीशान बिल्डिंग का उद्घाटन करने एवं बेडो की संख्या बढ़ाने के साथ आवश्यक स्टाफ की भी पदस्थपना का निवेदन किया जाएगा।

शाम-ए-मौसिकी का आयोजन 11 मई को उज्जैन में

भोपाल। मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी, म.प्र. संस्कृति परिषद, संस्कृति विभाग द्वारा सूफी सम्मेलन के तहत शाम-ए-मौसीकी-गजलों एवं सूफी कलाम की सांगीतिक प्रस्तुति का आयोजन 11 मई, शाम 7 बजे से अभिरंग नाट्यगृह, कालिदास संस्कृत अकादमी, यूनिवर्सिटी रोड, उज्जैन में होगा। उर्दू अकादमी की निदेशक डॉ. नुसरत मेहदी ने बताया कि मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी मध्यप्रदेश संस्कृति परिषद द्वारा आयोजित ÷शाम-ए-मौसीकी÷ केवल एक सांगीतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि हमारी साझा तहजीब, सूफी परंपरा और गजल की रूहानी विरासत को नई पीढ़ी तक पहुँचाने का एक प्रयास है। सूफी कलाम इंसानियत, मोहब्बत और आपसी भाईचारे का संदेश देता है, और संगीत उसकी सबसे प्रभावशाली अभिव्यक्ति है। हमें प्रसन्नता है कि मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी मध्यप्रदेश संस्कृति परिषद द्वारा उज्जैन जैसे सांस्कृतिक नगर में यह आयोजन हो रहा है, जहाँ कला और अध्यात्म की समृद्ध परंपरा रही है। इस कार्यक्रम में मध्यप्रदेश से समबन्ध रखने वाले देश के प्रतिष्ठित कलाकार अपनी प्रस्तुतियों से श्रोताओं को गजल और सूफी संगीत की एक यादगार शाम से रूबरू कराएंगे। प्रख्यात गजल गायक राजीव सिंह भोपाल, सुश्री वाणी साठे उज्जैन एवं अहमद रजा जावरा के नाम शामिल हैं। कार्यक्रम का संचालन शबनम अली द्वारा किया जाएगा।

बैरसिया पुलिस ने बिजली तार चोर गिरोह का किया पर्दाफाश

भोपाल। पुलिस अधीक्षक देहात भोपाल पकंज कुमार पाण्डे द्वारा समपत्ति संबंधी घटनाओ/अपराधो पर अंकुश लगाकर ज्ञात/अज्ञात आरोपियों की पतारसी कर शीघ्र गिरफ्तारी करने हेतु निर्देश दिये गये थे। पुलिस अधीक्षक देहात के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक देहात भोपाल डाँ नीरज चौरसिया, अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) संभाग बैरसिया वैशाली कराहलिया के नेतृत्व में समस्त थाना प्रभारी देहात भोपाल को प्रभावी कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया था। इसी तारतम्य में वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशों के पालन में समपत्ति संबंधी आरोपियो की पतारसी हेतु विशेष टीम गठित की गई।पुलिस टीम द्वारा बिजली के तार चोर गिरोह को पकडने मे सफलता पाई गई। जानकारी के अनुसार7.05.26 को फरियादी ब्रजकिशोर सिंह पिता कपिल देवसिंह निवासी एमपीईबी कार्यालय बैरसिया थाना बैरसिया ने रिपोर्ट किया कि रात्री मे सोनकच्छ टांडा रोड पेट्रोल पंप के पीछे के 13 स्पान(गाले) के बिजली के तार को कोई अज्ञात चोरो द्वारा चोरी कर लिया है फरियादी कि रिपोर्ट पर थाना बैरसिया मे चोरी की धाराओ के अप0क्र0 281/26 धारा 136 एमपीईबी एक्ट का पंजीबद्ध कर अनुसंधान मे लिया गया।

उक्त घटना को वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा गम्भीरता से लेकर पुलिस टीम द्वारा तीन व्यक्तियो को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 08 गाले के बिजली के एल्युमिनियम के तार व घटना मे प्रयुक्त की गई कार महिन्द्रा को जप्त किया गया। आरोपीगणो से पूछताछ कर अन्य आरोपियो की तलाश की जा रही है ताकि तार चोर ?गिरोह का नेटवर्क ध्वस्त कर खत्म किया जा सके। गिरफ्तार आरोपियों में इमामउद्धीन पिता इस्लामुद्धीन उम्र 20 साल निवासी म0न0 136 सूर्या नगर करोंद थाना निशातपुरा भोपाल, राजा खान पिता कामिल खान उम्र 20 साल निवासी म0न0 136 सूर्या नगर करोंद थाना निशातपुरा भोपाल, अरमान पिता इब्राहिम खान उम्र 23 साल निवासी महू थाना सिरोंज जिला विदिशा शामिल है। जप्त शुदा सामग्री में घटना मे प्रयुक्त की गई कार कीमती 15,000,00 रूपये, 8 गाले के बिजली के तार कीमती 270000 रूपये डी कुल कीमती 17,70,000 रूपये। इस कार्रवाई में कार्यवाही में

योग से प्रसन्न चेहरे, सकारात्मक ऊर्जा और सामूहिक साधना का सुंदर संगम : योग गुरु महेश अग्रवाल

भोपाल। समूह योग साधना का यह प्रेरणादायी दृश्य केवल एक तस्वीर नहीं, बल्कि स्वस्थ, अनुशासित और आनंदमय जीवन की जीवंत अनुभूति है। योग से खिले हुए चेहरे, मन की शांति और आत्मविश्वास से भरी मुस्कान यह संदेश देती है कि नियमित योग अभ्यास जीवन में नई ऊर्जा और सकारात्मकता का संचार करता है। योग मानव जीवन को संतुलित, स्वस्थ और जागरूक बनाने की एक प्राचीन एवं प्रभावशाली पद्धति है।

यह केवल शरीर को स्वस्थ रखने का माध्यम नहीं, बल्कि मन, बुद्धि और आत्मा को एकसूत्र में जोड़ने वाली दिव्य साधना है। नियमित योग अभ्यास से शरीर में स्फूर्ति बनी रहती है, मानसिक तनाव दूर होता है और मन शांत एवं स्थिर बनता है। योग व्यक्ति के भीतर सकारात्मक विचारों का विकास करता है तथा आत्मविश्वास और उत्साह को बढ़ाता है। आज की तनावपूर्ण जीवनशैली में योग व्यक्ति को आंतरिक शांति और मानसिक संतुलन प्रदान करता है। इससे एकाग्रता बढ़ती है, निर्णय क्षमता मजबूत होती है तथा जीवन के प्रति दृष्टिकोण सकारात्मक बनता है। योग शरीर को लचीला और सक्रिय बनाकर मधुमेह, उच्च रक्तचाप, मोटापा जैसी जीवनशैली संबंधी समस्याओं को नियंत्रित करने में भी सहायक सिद्ध होता है। स्वर्ण जयंती पार्क में योग साधकों की यह सामूहिक उपस्थिति एकता, अनुशासन, स्वास्थ्य और सकारात्मक ऊर्जा का प्रेरणादायी संदेश दे रही है। सभी साधकों के चेहरों पर झलकता आनंद यह प्रमाणित करता है कि योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि सुख, शांति और संतुलित जीवन का मार्ग है। प्रतिदिन योग को जीवन का हिस्सा बनाकर हम स्वस्थ शरीर, शांत मन और आनंदपूर्ण जीवन की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं।

महाराणा प्रताप जयंती पर भव्य जुलूस निकला, प्रताप उद्यान का भूमिपूजन संपन्न

विष्णु प्रसाद राठौर जिला संवाददाता, दैनिक इंटरनल न्यूज़, भोपाल क्षेत्रः जिला सीहोर

भैरूंदा। महाराणा प्रताप की 484वीं जयंती के उपलक्ष्य में नगर में राजपूत समाज के नेतृत्व में भव्य आयोजन किया गया। नगर में महाराणा प्रताप गार्डन के निर्माण को लेकर शनिवार शाम 6 बजे भूमिपूजन हुआ। भूमिपूजन से पहले नगर में भव्य जुलूस निकाला गया। नगर और क्षेत्र में रहने वाले राजपूत समाज के युवा, महिलाएं और बुजुर्ग नगर के सर्वमंगलम गार्डन में एकत्रित हुए। महाराणा प्रताप के विशाल चित्र को फूलों से सजे रथ पर विराजमान कर भव्य शोभायात्रा निकाली गई। हाथी, घुड़सवार, बैंड-बाजे, पारंपरिक ढोल-नगाड़े और झांकियों के साथ यात्रा नगर के मुख्य मार्गों से निकली। जुलूस में पारंपरिक संस्कृति की झलक दिखी। बैलगाड़ियां भी शामिल रहीं। पुरानी संस्कृति और परंपराओं को जीवित करने का प्रयास किया गया। जुलूस इंदौर रोड से निकला, सीहोर नाका पहुंचा, दुर्गा मंदिर चौराहा आया, बस स्टैंड से गुजरा और शनि मंदिर के पास कार्यक्रम स्थल तक पहुंचा। रास्तेभर लोगों ने जुलूस का स्वागत किया। समाजजनों में उत्साह नजर आया। यात्रा के दौरान महाराणा प्रताप अमर रहो, जय श्री भवानी, राजपूताना की जय और राणा की जय के जोरदार नारे गूंजते रहे। प्रताप उद्यान के प्रस्तावित स्थल पर पहुंचकर विधि-विधान से भूमिपूजन समारोह आयोजित किया गया। राजपूत समाज के प्रमुख पदाधिकारियों, स्थानीय जनप्रतिनिधियों और गणमान्य नागरिकों ने पूजन विधि संपन्न की। समाज के लोगों ने इसे सामाजिक एकता और सांस्कृतिक गौरव से जुड़ा कदम बताया। लोगों ने कहा, गार्डन बनने से समाज के कार्यक्रम और सामाजिक गतिविधियों को नया स्थान मिलेगा। प्रताप उद्यान में महाराणा प्रताप की भव्य प्रतिमा, हरे-भरे बगीचे, और बच्चों के खेल क्षेत्र विकसित करने की योजना है। उक्त उद्यान नगर परिषद के द्वारा विकसित किया जा रहा है। कार्यक्रम में महेंद्र सिंह परिवार, विक्रम घाटी, सत्येंद्र सोलंकी, वीरेंद्र सिंह राजपूत सहित समाज के सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

थाना प्रभारी गौरव बुंदेला और पुलिस टीम ने किया रक्तदान, दिया मानव सेवा का संदेश

इटारसी। मानव सेवा और सामाजिक जिम्मेदारी का परिचय देते हुए थाना प्रभारी गौरव बुंदेला एवं थाना इटारसी की पुलिस टीम ने आज स्थानीय ब्लड बैंक पहुंचकर रक्तदान किया। इस अवसर पर थाना के कई पुलिस कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक रक्तदान कर जरूरतमंद मरीजों की सहायता के लिए अपना योगदान दिया। थाना प्रभारी गौरव बुंदेला ने कहा कि रक्तदान एक महादान है और इससे कई लोगों की जिंदगी बचाई जा सकती है। उन्होंने लोगों से भी समय-समय पर रक्तदान करने की अपील की। पुलिस टीम की इस पहल से समाज में सकारात्मक संदेश गया है कि पुलिस केवल कानून व्यवस्था तक सीमित नहीं, बल्कि सामाजिक सरोकारों में भी सक्रिय भूमिका निभा रही है। ब्लड बैंक के अधिकारियों ने पुलिस टीम के इस सहयोग की सराहना करते हुए कहा कि गर्मी के मौसम में रक्त की आवश्यकता बढ़ जाती है, ऐसे समय में इस प्रकार के रक्तदान शिविर और व्यक्तिगत पहल बेहद महत्वपूर्ण साबित होती हैं। स्थानीय नागरिकों ने भी इटारसी पुलिस की इस सेवा भावना की प्रशंसा की।

फाइटर फुटबॉल क्लब के ग्रीष्मकालीन शिविर में उभरी नई प्रतिभाएं, डायमंड रॉक बालाघाट अकादमी के ट्रायल में खिलाड़ियों ने दिखाया दम

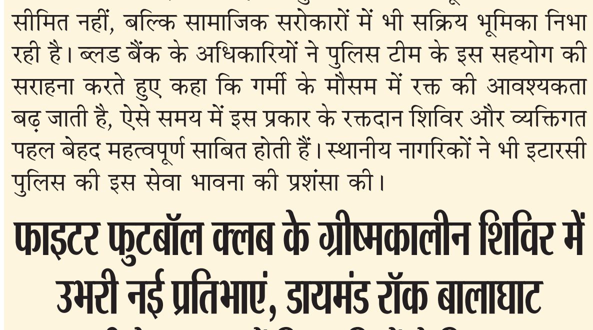

इटारसी। खेल प्रतिभाओं को निखारने और युवाओं को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से फाइटर फुटबॉल क्लब एवं खेल एवं युवा कल्याण विभाग नर्मदापुरम द्वारा आयोजित निशुल्क ग्रीष्मकालीन फुटबॉल प्रशिक्षण शिविर इन दिनों श्रीमंत राजमाता विजयाराजे सिंधिया खेल प्रशाल, खेड़ा इटारसी में उत्साहपूर्वक संचालित किया जा रहा है। शिविर में बड़ी संख्या में बालक एवं युवा खिलाड़ी नियमित रूप से प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। फाइटर फुटबॉल क्लब के अध्यक्ष श्री सत्यम अग्रवाल एवं क्लब के कोच श्री भागवत सिंह राजपूत ने जानकारी देते हुए बताया कि शिविर के दौरान प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से द डायमंड रॉक बालाघाट अकादमी द्वारा 9 एवं 10 मई 2026 को दो दिवसीय चयन ट्रायल आयोजित किए गए। ट्रायल में नर्मदापुरम संभाग के लगभग 80 से 90 खिलाड़ियों ने भाग लेकर अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। खिलाड़ियों ने फिटनेस, बॉल कंट्रोल, पासिंग, स्पीड, टीम समन्वय एवं मैच प्रदर्शन के आधार पर अपनी क्षमता दिखाई।

स्वामी प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक विनोद सिंह तोमर द्वारा प्रदेश वॉच मीडिया ग्रुप 11 कॉम्पलेक्स एमपी नगर जोन-1 भोपाल (म.प्र) से मुद्रित एवं 87, पुट्ठामिट गेट के सामने, छोला रोड, जिला भोपाल, मध्य प्रदेश से प्रकाशित।
संपादक : विनोद सिंह तोमर मो. 7067515898, स्थानीय- संपादक संजय सक्सेना RNI NO. MPHIN/2015/61965 (सभी विवादों का न्यायालयीन क्षेत्र भोपाल न्यायालय के अंतर्गत ही मान्य होगा।)